C M Y K

आज का विचार

सुनी हुई बात पर भरोसा सोच सम-I कर करना चाहिए, क्योंकि कोई भी व्यक्ति आपको कहानी का वो भाग कभी नहीं सुनायेगा, जहां वह स्वयं गलत था।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-25 अंक-332 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक–नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर गुरूवार 29 मई, 2025

बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा एक जुलाई से

विराट कोहली ने रचा इतिहास, टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

पहला कॉलम

सिक्किम से एमपी तक... 3 दिन में पांच राज्यों का धुआंधार दौरा करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली ,28 मई (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों देश के राज्यों का लगातार दौरा कर वहां की जनता को सौगात दे रहे हैं। इसी कड़ी में पीएम मोदी लगातार पांच राज्यों के दौरे पर रहेंगे। वह तीन दिन के अंदर पांच अलग-अलग राज्य जाएंगे, जहां कई रैलियां और सभाओं को संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी 29 मई को सबसे पहले सिक्किम जाएंगे, जहां वह 'सिक्किमएट50: जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को पोषित करती हैइ कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। सिक्किम में प्रधानमंत्री मोदी कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। इनमें नमची जिले में 750 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाला 500 बिस्तरों का नया जिला अस्पताल, गंगटोक जिले के संगखोला में अटल अमृत उद्यान में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा की स्थापना, सिक्किम के 50 वर्ष पूरे होने पर स्मारक सिक्का, स्मृति सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री एक सभा को भी संबोधित करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी उसी दिन दोपहर 2:15 बजे अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) परियोजना की आधारशिला रखेंगे।

इसके अलावा, बंगाल को कई अन्य योजनाओं की सौगात देने के बाद प्रधानमंत्री बिहार रवाना होंगे।

कुछ अलग

मणिपुर में बीजेपी ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, राज्यपाल से मिले विधायक

इंफाल ,28 मई (ए)। मणिपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर यह है कि मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इन विधायकों में 8 भाजपा, निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया कि इनके पास 22 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल से मिलने के बाद विधायक राधेश्याम ने कहा, 'हमारे पास 44 विधायकों का समर्थन है और सभी भाजपा विधायक जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। हम राज्यपाल से हमारे बहुमत पर विचार करने और त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। राज्यपाल से दावे की समीक्षा करने और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार निर्णय लेने की उम्मीद है।

मंगलवार को मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला के साथ राज्य की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की और उनसे ग्वालताबी घटना को सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने का आग्रह किया। पिछले हफ्ते ग्वालताबी घटना को लेकर विरोध प्रदर्शनों ने मैतेई-आबादी वाले इंफाल घाटी को हिलाकर रख दिया है।

खरी-खरी

बस्तर जिला नक्सल प्रभावित-एलडब्ल्यूई जिलों की सूची से बाहर होकर सामान्य जिला बना

जगदलपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बस्तर संभाग मुख्यालय के 7 जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कोंडागांव व कांकेर जिले में से बस्तर जिले को नक्सल प्रभावित-लेफ्ट विंग एक्स्ट्रिमिज्म (एलडब्ल्यूई) जिलों की सूची से बाहर कर दिया है। हालांकि इसे लेकर अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) से अधिकृत घोषणा नहीं की गई है, लेकिन वर्ष 2025 अप्रैल से शुरू होने वाले नई वित्त वर्ष से एलडब्ल्यूई के तहत बस्तर जिले को मिलने वाली केंद्रीय मदद को बंद कर दिया गया है। बस्तर कलेक्टर हरीश एस.ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बस्तर जिले को एलडब्ल्यूई जिलों की सूची से बाहर कर दिया है, और अप्रैल 2025 से एलडब्ल्यूई के तहत मिलने वाली केंद्रिय सहायता भी बंद कर दी गई है । ऐसे में अब बस्तर जिला नक्सल प्रभावित-एलडब्ल्यूई से निकलकर एक सामान्य जिला के रूप में स्थापित हो चुका है।

गौरतलब है कि बस्तर संभाग में 7 जिले हैं, जिनमें बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कोंडागांव व कांकेर शामिल हैं। बस्तर जिले का दरभा इलाके का कोलेंग, तुलसीडोंगरी, जगदलपुर से लगे माचकोट, तिरिया, लोहंडीगुड़ा इलाके के मारडूम, ककनार, बारसूर सीमा के इलाके नक्सलवाद से प्रभावित थे। विदित हो कि दरभा की झीरम घाटी में दो कैंपों सहित कोलेंग, तुलसीडोंगरी में कैंप खोलने के बाद यहां से नक्सली पलायन कर गये हैं । मारडूम में कैंप व थाना खोला गया, इसी प्रकार ककनार व चित्रकोट में चौकी और कैंप खोले गए हैं, लोहंडीगुड़ा में सीआरपीएफ कैंप खोला गया । इसके अलावा इन इलाकों तक पक्की सड़कों का जाल बिछाने के साथ ही पूरे जिले को सुरक्षा की दृष्टिकोंण से पूरी तरह से घेराबंदी किया गया है। नक्सल प्रभावित-एलडब्ल्यूई के तहत केंद्र सरकार से बस्तर जिले में विकास कार्यों व नक्सल उन्मूलन के लिए करोड़ों रूपए का सहायता मिलती थी। मार्च 2025 तक बस्तर जिले को यह राशि जारी की गई, लेकिन अप्रैल 2025 से केंद्र सरकार ने एलडब्ल्यूई फंड पर रोक लगा दी गई है । इससे बस्तर में नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण और सुरक्षा स्थिति में सुधार के संकेत मिलने लगा है।

उल्लेखनिय है कि बस्तर जिले की सीमा से अबूझमाड़ और ओडिशा की एक बड़ी लंबी सीमा लगती थी। यहां से दरभा कोलेंग, तुलसीडोगरी, चांदामेटा की पहाडि ?ों पर 2 वर्ष पहले तक सुरक्षाबलों तक का पहुंचना मुश्किल माना जाता था। इसी इलाकों में नक्सली गांजे की खेती करते थे, इसी दरभा के झीरम घाटी में नक्सलियों ने बड़ा हमला कर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व सहित 30 लोगों की हत्या कर दी, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प से बस्तर जिले के नक्सल प्रभावित सभी इलाकों में विकास कर ग्रामीणों को सरकार से जोड़ा जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप बस्तर जिला पूरी तरह नक्सलमुक्त हो चुका है।

भाठनपाली में हनुमान मंदिर तोड़ने का मामला पकड़ा तुल, एक कार्यकर्ता ने क्रॉस को तोड़ फहरा दिया भगवा झंडा

रायगढ़। जिला मुख्यालय के भाठनपाली में बुधवार सुबह हनुमान मंदिर तोड़ने को लेकर उपजा विवाद अब और बढ़ गया। भारी पुलिस बल को चकमा देते हुए बजरंगदल व हिंदू संगठनों के एक कार्यकर्ता सीढ़ी लगाकर चर्च के ऊपर चढ़ते हुए न केवल क्रॉस को तोडकर फेंक दिया बल्कि वहां भगवा झंडा फहरा दिया। इस घटना के बाद पुलिस ने क्रॉस तोड़ने वाले युवक को हिरासत में तो ले लिया है लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उसे छुड़ाने के लिए जमकर उत्पात मचाया। बुधवार की सुबह से ही भाठनपाली में गांव के लोगों ने बजरंगबली मंदिर तोडने को लेकर नाराजगी व्यक्त की। आरोप है कि मंदिर के ठीक सामने चर्च पर कुछ मतांतरित करने वाले युवकों ने पहले मंदिर को तोड़ा, उसके बाद सभा में संगठित होने की बात कही। इसी दौरान गांव के लोगों ने बजरंग दल व हिंदू दल के नेताओं को इसकी सूचना दे दी और देखते ही देखते पूरे गांव में भारी तनाव फैल गया। पुलिस अधीक्षक ने भी घटना की जानकारी मिलते ही अलग-अलग थाना क्षेत्र के थाना प्रभारियों सहित नगर पुलिस अधीक्षक आकाश शुक्ला को दल-बल के साथ मौके पर भेज दिया। पुलिस व बजरंग दल सहित गांव वालों ने मंदिर तोडने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर उत्पात मचाया और पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। इस हंगामे के बीच रायगढ़ एसडीएम प्रवीण तिवारी भी पहुंचे, जिन्होंने चर्च स्थल की जमीन की जांच कराते हुए वहां के लोगों से पूछताछ की और इस घटनाक्रम में तब अचानक बड़ा मोड़ आ गया जब भारी धक्का-मुक्की व झडप के बाद नाराज लोग पुलिस से भिड़ गए और एक कार्यकर्ता सीढ़ी लगाकर चर्च के ऊपर चढ़ते हुए न केवल क्रॉस को तोड़कर फेंक दिया बल्कि वहां भगवा झंडा फहरा दिया। पुलिस ने युवक को तत्काल गिरफ्तार कर लिया लेकिन ग्रामीण युवक को छोड़ने की मांग को लेकर हंगामा करने लगे।

गांधी होना आसान नहीं, निशिकांत दुबे ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का पत्र शेयर कर कांग्रेस से पूछा सवाल

नई दिल्ली ,28 मई (ए)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को एक बार फिर गांधी परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के राजीव गांधी को लिखे पत्र को लेकर कांग्रेस से सवाल किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'गांधीइ होना आसान नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पत्र शेयर करते हुए लिखा, गांधी होना आसान नहीं। यह पत्र अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन का तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी के द्वारा लिखे पत्र के उत्तर में है। 1972 के शिमला समझौते के तहत जब यह तय हो गया कि भारत-पाकिस्तान के बीच किसी विवाद पर बातचीत केवल दोनों देशों के बीच होगी, कोई मध्यस्थ नहीं होगा, तो भारतीय तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रीगन से पाकिस्तान से बातचीत के लिए मदद क्यों मांगी?

इससे पहले, उन्होंने 27 मई को अपने एक्स हैंडल पर कुछ पोस्ट शेयर कर कांग्रेस से सवाल किया था। निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा था, आयरन लेडी इंदिरा गांधी अमेरिकी दबाव में 1971 का युद्ध तत्कालीन रक्षा मंत्री जगजीवन राम जी और सेनाध्यक्ष सैम मानेकशॉ के विरोध के बावजूद भारत ने खुद ही रोक दिया। बाबू जगजीवन राम चाहते थे कि कश्मीर का हमारा हिस्सा जो पाकिस्तान ने जबरदस्ती कब्जा कर रखा है, उसको लेकर ही युद्ध बंद हो। लेकिन, आयरन लेडी का डर और चीन का दहशत यह नहीं कर पाया? भारत के लिए फायदा अपनी भूमि तथा करतारपुर गुरुद्वारा लेना था या बांग्लादेश बनाना? पूरी रिपोर्ट पढ़िए आयरन लेडी की राजनीतिक दृष्टि समझिए?

एनडीए सरकार एनटी रामाराव गारू के विजन को पूरा कर रही : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,28 मई (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एनटी रामाराव को उनकी जयंती पर श्रद्धांजिल अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मैं एनटीआर गारू (महोदय) को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। समाज की सेवा करने और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के उनके प्रयासों के लिए उन्हें व्यापक रूप से सराहा जाता है। उनके सिनेमाई काम भी दर्शकों को रोमांचित करते रहते हैं। हम सभी उनसे बहुत प्रेरित हैं। मेरे मित्र चंद्रबाबू नायडू गारू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार एनटीआर के विजन को पूरा करने के लिए काम कर रही है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एन.टी. रामाराव गारू को उनकी जयंती पर मेरी श्रद्धांजलि।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, युगपुरुष, विश्वविख्यात अभिनेता, तेलुगू भाषियों के आदर्श, दुनिया को तेलुगू लोगों का स्वाभिमान दिखाने वाले महापुरुष, कल्याण का नया रास्ता दिखाने वाले समाज सुधारक, 'अन्नाइ नंदमुरी तारक रामाराव को उनकी 102वीं जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

नायडू ने एनटीआर के विजन को याद करते हुए आगे लिखा, एनटीआर वो वीर व्यक्ति थे जिन्होंने गरीब लोगों की तीन जरूरतों को पूरा करना अपने जीवन का कार्य माना। रोटी, कपड़ा और मकान। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने 'समाज ही मंदिर है, लोग ही भगवान हैंइ के नारे के साथ लोकतंत्र को एक नया अर्थ दिया। पक्के घरों के निर्माण के साथ गरीबों के साथ खड़े हुए, या सिर्फ 2 रुपये प्रति किलो चावल उपलब्ध कराकर गरीबों की भूख मिटाई। उन्होंने जो भी किया, उनके दिमाग में एक ही बात थी। मेरा तेलुगू राष्ट्र सम्मान के साथ खड़ा होना चाहिए। तेलुगू देशम आज भी अगर चमक रही है तो यह उनके आशीर्वाद की वजह से है। हम उस महापुरुष की इच्छा को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। मैं एक बार फिर अपने भाई नंदमुरी तारक रामा राव को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने कई अद्वितीय काम किए।

कमल हासन ने छेड़ दी नई बहस! बोले 'कन्नड़ भाषा तमिल से जन्मी, भाजपा बोली 'एहसान फरामोश'

चेन्नई ,28 मई (ए)। अभिनेता कमल हासन ने अपनी फिल्म 'ठग लाइफ' के प्रचार के दौरान भाषाई पहचान को लेकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। चेन्नई में उन्होंने कह दिया कि 'कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है। उनकी इस विवादित टिप्पणी का कर्नाटक में विरोध शुरू हो गया है। सियासतदानों से लेकर आम लोग हासन से नाराज हो गए हैं। भाजपा और कन्नड़ समर्थक समूहों ने उनके बयान की निंदा की है और बिना शर्त माफी की मांग की है।

अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' के ट्रेलर रिलीज के कुछ ही हफ्तों बाद चेन्नई में एक कार्यक्रम में हासन ने अपने भाषण की शुरूआत उइरे उरावे तमीज वाक्यांश से की, जिसका अर्थ है मेरा जीवन और मेरा परिवार तमिल भाषा में है। इसी कार्यक्रम में कन्नड़ अभिनेता शिवराजकुमार की मौजूदगी का जिक्र करते हुए, हासन ने कहा, यह उस जगह मेरा परिवार है। इसलिए वह (शिवराजकुमार) यहां आए हैं। इसलिए मैंने अपने भाषण की शुरूआत जीवन, परिवार और तमिल कहकर की। आपकी भाषा (कन्नड़) तमिल से पैदा हुई है, इसलिए आप भी इसमें शामिल (इसका हिस्सा) हैं।

कन्नड़ भाषा की स्वतंत्र विरासत को कमजोर करने वाली उनकी टिप्पणियों की कर्नाटक में तीखी आलोचना हुई। राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने अभिनेता पर निशाना साधते हुए उनकी टिप्पणी को असभ्य बताया और उन पर कन्नड़ और उसके बोलने वालों का अपमान करने का आरोप लगाया। विजयेंद्र ने एक्स पर पोस्ट पर लिखा, अपनी मातृभाषा से प्यार करना चाहिए, लेकिन उसके नाम पर अनादर दिखाना असभ्य व्यवहार है। खासकर कलाकारों में हर भाषा का सम्मान करने की संस्कृति होनी चाहिए। यह अहंकार और अहंकार की पराकाष्ठा है कि एक अभिनेता कमल हासन, जिन्होंने कन्नड़ सहित कई भारतीय भाषाओं में अभिनय किया है, ने अपनी तमिल भाषा के महिमामंडन में अभिनेता शिवराजकुमार को शामिल करके कन्नड़ भाषा का अपमान किया है। उन्होंने आगे हासन पर कन्नड़ और कन्नड़ लोगों की उदारता को भूलने और एहसान फरामोश होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कमल हासन, जिन्हें दक्षिण भारत में सद्भाव लाने वाला माना जाता है, पिछले कुछ सालों से लगातार हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। अब, उन्होंने 6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाकर कन्नड़ का अपमान किया है। कमल हासन को तुरंत कन्नड़ लोगों से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। भाजपा नेता ने भाषाओं की उत्पत्ति के बारे में ऐतिहासिक दावे करने के लिए हासन के अधिकार पर भी सवाल उठाया। कन्नड़ समर्थक समूहों ने भी अपना गुस्सा जाहिर किया। कर्नाटक रक्षणा वेदिके के कार्यकताओं ने बेंगलुरु में 'ठग लाइफ के पोस्टर फाड़ दिए और फिल्म पर संभावित राज्यव्यापी प्रतिबंध की चेतावनी जारी की। संगठन के नेता प्रवीण शेट्टी ने हासन की आलोचना करते हुए कहा, हम आपको चेतावनी दे रहे हैं कि यदि आप कन्नड़ और कन्नड़ लोगों के खिलाफ बात करेंगे, तो हम आपकी फिल्म पर प्रतिबंध लगा देंगे। 'ठग लाइफ 5 जून को रिलीज होगी।

C M Y K

पहला कालम

बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा एक जुलाई से

बिश्रामपुर । रेल प्रबंधन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या १८२४७/१८२४८ बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा स्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा बिलासपुर से ०१ जुलाई २०२५ से एवं रीवा से दिनाँक ०२ जुलाई २०२५ से उपलब्ध रहेगी ।इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

मुंशी राम व मुंद्रिका सिंह बनाए गए जन भागीदारी समिति का अध्यक्ष

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)। महिला बाल विकास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री लक्ष्मी रजवाडे की अनुशंसा पर

कलेक्टर के द्वारा शासकीय महाविद्यालय सनवाल के लिए जिला पंचायत सदस्य मुंशी राम को जन भागीदारी समिति का अध्यक्ष बनाया गया। वहीं जनपद पंचायत के अध्यक्ष मुंद्रिका सिंह को शासकीय महाविद्यालय रामचंद्रपुर का जन भागीदारी समिति का अध्यक्ष बनाया गया। अपनी नियुक्ति के बाद दोनों ने महाविद्यालय के विकास के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही।

जिले राशनकार्डधारी परिवारों को 3 माह का एकमुश्त मिलेगा राशन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय से प्राप्त निदेर्शानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसव्हाई), छत्तीसगढ़ खाद्य और पोषण सुरक्षा अधिनियम (सीजीएफएसए) एवं मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना (एमकेएसवाई) के राशनकार्डधारी परिवारों को माह जून से अगस्त २०२५ तक ३ माह के लिए पात्रता अनुसार चावल का आबंटन जारी किया गया है।

रामनगर के मोहरा एनीकेट में स्नान के दौरान दो किशोर डूबे

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
रामनगर से होकर गुजरी रेंड नदी पर बनाए गए मोहरा एनीकेट में बुधवार दोपहर स्नान के लिए पहुंचे सूरजपुर के दो किशोर के गहरे पानी में डूब जाने की खबर है ।घटना की जानकारी उनके साथ स्नान के लिए पहुंचे उनके मित्रो ने परिजनो को दी परिजनो की सूचना पर बिश्रामपुर और सूरजपुर की पुलिस ने नगर सेना को डीडीआरएफ टीम को दोनों किशोरों को तलाशी के लिए लगाया है ।समाचार लिखे जाने तक दोनों का पता नहीं चल सका है ।बताया गया कि सूरजपुर भट्टापारा निवासी अविनाश देवांगन आत्मज सुशील

उर्फ बबलू देवांगन १५ वर्ष व भानू निषाद आत्मज कन्हैया निषाद १५ वर्ष अपने अन्य मित्रों के साथ दोपहर में रामनगर डेम स्नान करने पहुंचे थे स्नान के दौरान अविनाश और भानू अचानक गहरे पानी में चले गए उनको डूबता देख उनके दोस्तो ने हो हल्ला भी किया लेकिन कुछ देर बाद दोनों लापता हो गए ।दोनो के दोस्तों ने उनके परिवार को मामले की सूचना दी परिवार द्वारा सूरजपुर कोतवाली और बिश्रामपुर पुलिस को सूचना देने के बाद पुलिस ने तत्काल नगर सेना की डीडीआरएफ टीम को एलर्ट कर मौके पर बुलाया और तलाशी अभियान शुरू की है लेकिन समाचार लिखे जाने तक दोनों का पता नहीं चल सका है ।बताया जाता है कि जहां एनीकेट का गेट बना है वहां डेम में पानी खोलने से पानी गिरने के दौरान मौके पर बीस से पच्चीस फिट का गड्ढा हो गया है इसके अतिरिक्त रेत माफियाओं द्वारा रेत की तस्करी करने के चक्कर में नदी में जहां तहां मनमानी खुदाई कर देने से नदी में गड्ढे बन गए हैं वर्तमान में सप्ताह भर से हो रही बारिश से नदी का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है जिस कारण डूबे हुए बच्चों को ढूंढने में रेस्क्यू टीम को परेशानी हो रही है ।नदी के पास बच्चों के परिजन सहित बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हैं ।

घटना से सूरजपुर में शोक व मातम का माहौल निर्मित है ।बता दें कि रामनगर मोहरा एनीकट में रोजाना दूर दराज से लोग स्नान करने पिकनिक और सैर सपाटे के लिए पहुंचते है पूर्व में भी यहां कई लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है ।बाबजूद लोग यहां जाने अनजाने में घूमने व स्नान करने पहुंच रहे हैं और हादसे के शिकार हो रहे हैं।

राशनकार्डधारी परिवारों को 03 माह का एकमुश्त राशन वितरण किये जाने हेतु समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें

शासकीय उचित मूल्य दुकानों में आबंटन अनुरूप चावल का हो भंडारण- सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने बुधवार को राज्य के समस्त जिलों के कलेक्टर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर धान उपार्जन एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत राशन सामग्री के भण्डारण की समीक्षा की। इस दौरान जिला कलेक्टरेट सरगुजा के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में खरीफ विपणन वर्ष २०२४-२५ में उपार्जित धान के

निराकरण एवं माह जून से अगस्त के पीडीएस चावल के उचित मूल्य दुकानों में अग्रिम भण्डारण के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संग्रहण केंद्रों में भंडारित अतिशेष धान के निराकरण की जिलेवार समीक्षा के दौरान श्रीमती कंगाले ने कहा कि सभी जिले धान का जल्द से जल्द उठाव सुनिश्चित करें। संग्रहण केंद्रों में धान के सुरक्षित रखरखाव की जांच हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाएं। उन्होंने

प्राईस मेच किये गये स्टेकों के विरूद्ध समय-सीमा में सुरक्षा निधि जमा करने तथा स्टेकों के विरूद्ध वास्तविक राशि जमा किए जाने की समीक्षा की। खरीफ वर्ष २०२४-२५ अंतर्गत एफसीआई में चावल जमा की जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सचिव श्रीमती कंगाले ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सम्बंध में कहा कि राशनकार्डधारी परिवारों को माह जून से अगस्त २०२५ तक ३ माह के लिए पात्रता अनुसार चावल का आबंटन जारी किया गया है। उन्होंने जून माह में ०३ माह का एकमुश्त वितरण किये जाने हेतु शासकीय उचित मूल्य दुकानों में आबंटन अनुरूप चावल का भंडारण किए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस हेतु निर्धारित समय-सीमा ३० मई २०२५ तक पूर्ण भण्डारण हेतु परिवहन हेतु वाहन की व्यवस्था हो। ०३ माह के चावल भण्डारण हेतु उचित मूल्य दुकानों में पर्याप्त भण्डारण क्षमता की उपलब्धता सुनिश्चित करें। वहीं एकमुश्त वितरण हेतु आवश्यक व्यवस्था की जाए, हितग्राहियों को अवगत कराने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करें। पहुंचविहीन उचित मूल्य दुकानों मे राशन सामग्री का अग्रिम भण्डारण सुनिश्चित किया जाए।

युवक ने जहर पीकर तो किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कोयलांचल बिश्रामपुर में दो अलग-अलग आत्महत्या की घटनाओं ने परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है। एक ४१ वर्षीय युवक ने शराब में जहर मिलाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली, तो वहीं एक १७ वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। दोनों ही मामलों में आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के एसईसीएल जेएमक्यू कॉलोनी क्वार्टर नंबर ५१ निवासी रोशन कुमार चंद्रवंशी (४१ वर्ष), जिनके पिता शिवकुमार कॉलरी कर्मचारी हैं, ने बुधवार की दोपहर अपने घर से यह कहकर निकले कि वह बाहर जा रहे हैं। वे अपनी पैशन प्रो मोटरसाइकिल पर निकले और एसईसीएल की ५/६ नंबर बंद खदान के समीप स्थित नर्सरी में युवक ने शराब में जहर मिलाकर सेवन कर लिया। जहर का असर होते ही रोशन कुमार ने अपनी मां को फोन कर कहा कि मां, मेरी जान बचा लो मैं जहर पी लिया हूं कहकर मदद की गुहार लगाई।

कॉल मिलने पर परिवार में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई ।पुलिस ने युवक के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की और काफी मशक्कत के बाद घटनास्थल तक पहुंच सकी। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और युवक रोशन की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या का कारण अब भी रहस्य बना हुआ है। वहीं दूसरी घटना में जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत संजयनगर निवासी १७ वर्षीय माही सिकदार पिता अविश चंद्र ने मंगलवार की शाम करीब ५ बजे अपने घर के कमरे में ही अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है।

किशोरी की आत्महत्या का कारण भी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। न कोई सुसाइड नोट मिला, न ही परिवार को किसी विशेष परेशानी का अंदेशा था। दोनों मामलों में पुलिस ने परिजनो की सूचना पर मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है।

बाल सम्प्रेक्षण गृह, विशेष गृह में खाद्यान्न सामग्री एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामग्रियों के क्रय हेतु 10 जून तक निविदा आमंत्रित

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
बाल सम्प्रेक्षण गृह बालक के अधीक्षक ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित कार्यालय अधीक्षक शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह बालक एवं बालिका, विशेष गृह बालक एवं बालिका, प्लेस ऑफ सेफ्टी में निरूद्ध विधि से संघर्षरत बालकों के सत्र २०२५-२६ के भोजन हेतु आवश्यक खाद्यान्न सामग्री एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामग्रियों के क्रय हेतु दर नियम व शर्तों के अधीन मुहरबंद निविदाएं उपयुक्त श्रेणी के पंजीकृत विक्रेताओं से आमंत्रित की गई है। इच्छुक विक्रेता रजिस्टर्ड डाक या स्पीड पोस्ट अथवा स्वयं उपस्थित होकर कार्यालय अधीक्षक बाल सम्प्रेक्षण गृह बालक अम्बिकापुर में निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत कर सकते हैं।
उन्होंने बताया कि निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि ०४ जून २०२५ को ०५:३० बजे तक, निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि १० जून शाम ०५:३० बजे तक है। वहीं निविदा खोलने की तिथि १२ जून अपरान्ह ०४:०० बजे निर्धारित है। निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें जिले के वेबसाईट या कार्यालय अधीक्षक शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह बालक अम्बिकापुर में कार्यालयीन समय पर प्राप्त कर सकते हैं।

सुशासन तिहार अंतर्गत सहनपुर और राजापुर में समाधान शिविर आयोजित निराकृत आवेदनों की हितग्राहियों को दी जा रही जानकारी

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
संवाद से समाधान की अभिनव पहल अंतर्गत आयोजित सुशासन तिहार में जनसमस्याओं का निराकरण तत्परता के साथ किया जा रहा है। इसी कड़ी में सीतापुर विकासखंड के राजापुर एवं लूण्ड्रा विकासखंड के सहनपुर में समाधान शिविर आयोजित हुआ, जहां सुशासन तिहार के तहत प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी विभागवार हितग्राहियों को दी गई।

लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज सहनपुर में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए, इस दौरान उन्होंने आवेदनों के निराकृत हितग्राहियों से संवाद करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किया। विधायक श्री मिंज ने हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। पहले चरण में लिए गए आवेदनों का अंतिम चरण में समाधान शिविर के माध्यम से विभागीय निराकरण की जानकारी दी जा रही है।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर राजापुर क्लस्टर में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। जहां उन्होंने आवेदनों के निराकृत हितग्राहियों से संवाद करते हुए सुशासन तिहार अंतर्गत मांग और शिकायतों के निराकरण की जानकारी दी। कलेक्टर ने बताया कि शासन की पहल पर आपके गांव में ही आपके समस्याओं का समाधान करने हेतु समाधान शिविर लगाया जा रहा

है। जिसमें सुशासन तिहार के पहले चरण में प्राप्त आवेदनों के समाधान जानकारी दी जा रही है। साथ ही मांग और शिकायत के आवेदन भी लिए जा रहे हैं।

समाधान शिविर में कलेक्टर से संवाद करते हुए ग्राम पंचायत राजापुर के हितग्राही श्री जगदंबा ने बताया कि उन्होंने सुशासन तिहार के पहले चरण में अपने ग्राम पंचायत में व्यक्तिगत शौचालय के लिए आवेदन दिया था। जिसका निराकरण एक महीने में हो गया। इसकी जानकारी ग्राम सचिव द्वारा दी गई है, उन्होंने कविता के माध्यम से कहा कि धन्य है वो गांव, धन्य है वो नर-नारी, जिस गांव में मुख्यमंत्री श्री साय ने जन्म लिया, धन्य है वहां फूलवारी।

सीतापुर ब्लॉक के राजापुर को क्लस्टर बनाया गया था जिसमें राजापुर, सलाईनगर, महारानीपुर, डांगबुड़ा, जामढोढ़ी, जामकानी, कोटछाल, और हरामार ग्राम पंचायत शामिल थे। जहां प्राप्त कुल १३०६ आवेदन का शत-प्रतिशत निराकरण किया गया।

लूण्ड्रा ब्लॉक के सहनपुर को क्लस्टर बनाया गया था, जिसमें जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि इस क्लस्टर में सखौली, जमीरा, अगासी, सहनपुर, गगोली, कोयलारी, किरकिमा, गुजरवार, नागम, घघरी, सपड़ा, चितरपुर, रवई, डुमरडीह और रीरी ग्राम पंचायत शामिल थे। शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाने हेतु सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। जिसमें प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि ३१०५ आवेदनों में से ३१०२ प्रकरण निराकृत हुए शेष ३ आवेदन का निराकरण नियमानुसार जारी है। सुशासन तिहार ने जनसमस्याओं के निराकरण प्रभावी मंच दिया है। जिला प्रशासन द्वारा शासन की योजनाओं की जानकारी और गांव के अंतिम व्यक्ति को हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधिगण,एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ सहित प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

युगों-युगों में जन्मते राणा- जैसे वीर, दुनिया उनके शौर्य की, कहे कथा गंभीर

महाराणा प्रताप जयंती पर तुलसी साहित्य समिति की सरस काव्यगोष्ठी

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर तुलसी साहित्य समिति के द्वारा शायर-ए-शहर यादव विकास की अध्यक्षता में केशरवानी भवन में सरस काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि एसपी जायसवाल, विशिष्ट अतिथि कवयित्री मीना वर्मा, सच्चिदानंद पांडेय और उपभोक्ता अधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रभूषण मिश्र च्मृगांकज् थे। संचालन युवाकवि अम्बरीष कश्यप ने किया।
मां सरस्वती की पारंपरिक पूजा से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तुलसीकृत रामचरितमानस और कविवर एसपी जायसवाल द्वारा सृजित सरगुजिहा रामायण का संक्षिप्त पाठ भी किया गया। सरस्वती-वंदना की सुंदर प्रस्तुति कवयित्री अर्चना पाठक ने दी। शिक्षाविद् एसपी जायसवाल ने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म ९ मई १५४० को राजस्थान के कुम्भलगढ़ में हुआ था। उनके पिता का नाम उदय सिंह और उनकी माता का नाम रानी जयवंता बाई था। वे एक बहादुर राजपूत राजा थे। सीमित साधन होते हुए भी वे शक्तिशाली मुगल साम्राज्य के सामने झुके नहीं और उनसे डटकर लोहा लिया। वे अप्रतिम शौर्य, साहस, वीरता, स्वाभिमान, देशभक्ति और संघर्ष के दुर्लभ प्रतिमान थे। उन्होंने मुगलों के खिलाफ कई लड़ाइयां लड़ीं। इनमें सबसे प्रसिद्ध हल्दीघाटी की लड़ाई थी। यह युद्ध सन् १५७६ में अकबर की सेना से हुआ था। उन्होंने सन् १५८२में दिवेर के युद्ध में भी विजय प्राप्त की। उनकी मृत्यु १९ जनवरी १५९७ में ५६ वर्ष की आयु में हो गई। कविवर जायसवाल ने अपनी एक उम्दा कविता में ऐतिहासिक हल्दीघाटी युद्ध का जीवंत चित्रण भी किया- हल्दीघाटी युद्ध भयंकर, महाराणा भी लहूलुहान थे। चेतकवाले वो राणा थे, युद्ध में काल समान थे। टिड्डीदल-सी मुगलों की सेना, मुट्ठीभर भील जवान थे। तककर बैठै थे घाटी में मुगल इससे अनजान थे! वरिष्ठ व्याख्याता सच्चिदानंद पांडेय का कहना था कि आज देश को महाराणा प्रताप जैसे- शौर्यवान, संघर्षप्रिय, साहसी, देशभक्त युवाओं की आवश्यकता है। कई हार के बाद भी पाकिस्तान हमारे देश की एकता, अखण्डता, सम्प्रभुता, शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। हमें अपने इस पड़ोसी नापाक शत्रु से सदैव सावधान रहना होगा। ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देनेवाली भारतीय सेना को देशवासियों का पूरा समर्थन, सहयोग और सम्मान मिलना ही चाहिए ताकि वे पूरी मुस्तैदी से अपना काम कर सके और देश की सीमाएं और हम देशवासी सुरक्षित

रहें।
काव्यगोष्ठी में संस्था के अध्यक्ष कवि मुकुंदलाल साहू ने अपने दोहों में महाराणा प्रताप की अद्भुत वीरता और साहस का चित्रण किया- दुश्मन डरे प्रताप से, आया ऐसा दौर। भगा आगरा छोड़कर, तब अकबर लाहौर। राणा जी का निधन सुन, रोए अकबर खूब। चलो देश की भक्ति में, हम सब जाएं डूब। संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष माधुरी जायसवाल ने राणा- जैसे महावीर के युगों में पैदा होने की बात कही- युगों-युगों में जन्मते राणा जैसे वीर। दुनिया उनके शौर्य की, कहे कथा गंभीर। हर युग गाएगा सदा, उनका विमल चरित्र। त्याग और बलिदान से, होगा देश पवित्र। वरिष्ठ कवयित्री मीना वर्मा ने अपने काव्य में राणा प्रताप सिंह को परमवीर बताया- ढाल से, कृपाण से, कटारी-तलवार से, शत्रु पर वार करे वह क्षत्रिय होता है। दानवीर, कर्मवीर, शूरवीर, परमवीर राणा प्रताप च्पृथ्वीराजज् वही होता है। कवयित्री व अभिनेत्री अर्चना पाठक ने हल्दीघाटी युद्ध के विजेता महानायक प्रताप सिंह के विषय में सही कहा कि- युद्धभूमि में राणा-जैसा वीर हुआ भारत की शान। देशभक्ति का दिव्य नमूना पाले रहता अपनी आन! कविवर राजेश पांडेय च्अब्रज् ने अपनी ओजस्वी कविता में सेना के वीर जवानों का दुश्मनों के संहार हेतु आह्वान किया- हे सेना के वीर जवानों! बलशाली हुंकार भरो। विपदा आए जब भारी, तुम आगे बढ़कर वार करो। कण-कण में ईश विराजे, माटी है यह चंदन-सी। इस मिट्टी का तिलक लगाकर दुश्मन का संहार करो! कार्यक्रम में युवा गजलकार मनव्वर अशरफी पहलगाम आतंकी हमले से बेहद दुखी और क्षुब्ध नजर आए। उन्होंने बेगुनाह लोगों की हत्या को इस्लाम के खिलाफ बताते हुए अपना आक्रोश कविता में यूं नुमायां किया- लाख कहे इंसान मगर इंसान नहीं हो सकता है। दहशत फैलानेवाला बलवान् नहीं हो सकता है। मासूमों की लाशों पर जश्न मनानेवाले सुन, नफरत का पैगाम कभी इस्लाम नहीं हो सकता है! वीर और ओज के चर्चित कवि अम्बरीष कश्यप ने अपनी रचना में पहलगाम हत्याकाण्ड के आरोपियों को जल्द मृत्युदण्ड दिये जाने का संकल्प दोहराया- हमें कसम है भारत मां की यह भी कर दिखलाएंगे। पहलगाम के हत्यारों को शूली पर चढ़वाएंगे! कवि अमित प्रेम ने मौजूदा वक्त को सशस्त्र संघर्ष का बताया- अब वक्त आ गया है हमें शस्त्र उठाने का।

कोई फायदा नहीं है, अब मोमबत्ती जलाने का। सोशल मीडिया में रोने का, मन उदास होने का! गोष्ठी में इन देशभक्तिपरक रचनाओं के अलावा अन्य रसों की कविताओं ने भी श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। इस कड़ी में कवयित्री सीमा तिवारी की कविता- फकत अब सोच भारी है, जो दिल पे हो के गुजरी है, हुई क्या हालत यह मेरी जो मेरे सर पे उतरी है और कविवर चंद्रभूषण मिश्र का कलाम- समय की क्षुब्ध वेदना ही सही तुम एक बार आ तो जाओ, विशेष उल्लेखनीय रही। अंत में शायर-ए-शहर यादव विकास की मोहब्बत का पैगाम देती इस कालजयी गजल से कार्यक्रम का यादगार समापन हुआ- फिर किसी ने गजल सुनाई है, कली गुलशन में कसमसाई है। महफिलों में बिखर गई खुशबू, आप आए बहार आई है। फूल मिले तो खिलखिलाते मिले, हममें वो जिंदगी बनाई है। देखिए तो पिघल रहे पत्थर, जब मोहब्बत गले लगाई है! धन्यवाद ज्ञापन कवि मुकुंदलाल साहू ने किया। इस अवसर पर लीला यादव, प्रमोद, प्रियंका तिवारी, लगनदास और केशरवानी वैश्य सभा के उपाध्यक्ष मनीलाल गुप्ता उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

लेमरू समाधान शिविर में प्राप्त 3545 आवेदनों में से 3506 आवेदनों का हुआ निराकरण

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार २०२५ के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत लेमरू में समाधान शिविर का आयोजन हुआ। यह शिविर शासन द्वारा निर्धारित तीन-चरण की प्रक्रिया के अंतिम चरण के रूप में संपन्न हुआ, जिसमें प्राप्त कुल ३५४५ आवेदनों में से ३५०६ का प्रभावी निराकरण किया गया।

शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी एवं महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ राज्य गीत अरपा पैरी के धार के गायन से हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे. शिविर में जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, कमलेश अनंत, कौशिल्या देवी, जनपद सदस्य आनंद राम,सहित अन्य प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शासन की योजनाओं की जानकारी दी तथा समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। जनपद पंचायत कोरबा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी कौशाम्बी गबेल ने शिविर में अब तक के समस्त चरणों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आवेदन निपटान की जानकारी दी। विभिन्न विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं की जानकारी तथा ग्रामीणों को योजनाओं लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत नकिया को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। साथ ही शिविर के माध्यम से ०३ वय वंदन कार्ड,१४ मनरेगा कार्ड, १९ राशन कार्ड, १३२ पेंशन स्वीकृति एवं ०५ आवास स्वीकृतियाँ हितग्राहियों को प्रदान की गईं। शिविर में उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने ग्रामीणों को बरसात में स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने एवं स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराने की अपील की। विद्युत विभाग द्वारा गढ़उपरोड़ा में नवीन सबस्टेशन खोले जाने की जानकारी दी गई, जिससे आसपास के ग्रामों को बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध होगी। समापन अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी कौशाम्बी गबेल ने सभी जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणजनों का आभार व्यक्त किया।

इस न्यूज को बॉक्स में लगा दे अलग से - लेमरू समाधान शिविर में ३५४५ में से ३५०६ आवेदनों का निराकरण सराहनीय रहा, लेकिन ३९ आवेदनों का लंबित रहना व्यवस्था की पूर्णता पर सवाल उठाता है। बरसात से पहले स्वास्थ्य जागरूकता की अपील की गई, पर ग्रामीण अंचलों में प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता का जिक्र नहीं हुआ। विद्युत उपकेंद्र की घोषणा हुई, पर क्रियान्वयन की स्पष्ट समय-सीमा नहीं बताई गई। योजनाओं की जानकारी दी गई, पर योजना प्रभावशीलता और लाभार्थियों की संतुष्टि पर कोई फीडबैक नहीं लिया गया।

सरकारी योजनाओं का सच- पक्के घर का वादा, लेकिन असलियत में अधूरी दीवारें, बरसात से पहले ग्रामीणों ने खुद संभाली मरम्मत की कमान

कोरबा अम्बिकावाणी - प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गरीबों को पक्का मकान मुहैया कराने की महत्वाकांक्षी योजना आज भी जिले के वनांचल क्षेत्रों में अधूरी नजर आ रही है। ग्राम पंचायत लेमरू अंतर्गत अरेतरा गांव के कई हितग्राही आज भी अधूरे मकानों के कारण कच्चे घरों में रहने को मजबूर हैं। गांव के निवासी धंनसिंह मांझवार ने बताया कि तीन वर्ष पूर्व उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत हुआ था। निर्माण कार्य शुरू भी हुआ, लेकिन ठेकेदार ने आधा-अधूरा मकान बनाकर काम बंद कर दिया। आज तक न तो निर्माण पूरा हुआ, न ही किसी अधिकारी ने सुध ली। मजबूरी में वह फिर से अपने पुराने कच्चे मकान में रहने को मजबूर हैं। बरसात को देखते हुए गांव के अन्य हितग्राही भी अपने कच्चे मकानों की मरम्मत में लगे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार अधिकारी निरीक्षण की बात तो करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अधूरी योजनाओं और अधिकारियों की अनदेखी से ग्रामीणों में निराशा बढ़ती जा रही है। जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। प्रशासनिक लापरवाही के चलते प्रधानमंत्री की योजना सिर्फ कागजों तक सिमटती जा रही है, जबकि असल लाभार्थी बारिश, धूप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के बीच असुरक्षित जीवन जीने को विवश हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन कब जागेगा और कब इन अधूरे मकानों को पूरा कराने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा।

कलेक्टर ने पीएचसी तुमान का किया निरीक्षण-आमजनों को प्राथमिकता से स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर अजीत वसंत ने आज विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमान का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र में स्वास्थ्य अधिकारी- कर्मचारियों की स्वीकृत, दर्ज एवं रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को समय पर केंद्र में उपस्थित रहकर मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए कहा।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने तुमान के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ओपीडी, महिला एवं पुरूष वार्ड, प्रसव कक्ष, प्रयोगशाला, सहित पूरे परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने मरीजों की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखने के निर्देश दिए। जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर ने लोगों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य केन्द्र में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने केंद्र में होने वाले प्रसव की जानकारी लेते हुए संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और शत प्रतिशत प्रसव सुरक्षित रूप से कराने के लिए कहा। इस हेतु मितानिनों, स्वास्थ्य कार्यकताओं के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने की बात भी उन्होंने कही। कलेक्टर ने डीएमएफ से हुई नियुक्ति की जानकारी भी ली। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह कँवर, एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा श्री तुलाराम भारद्वाज आदि उपस्थित थे।

सड़क किनारे अतिक्रमण पर होगी सख्त कार्यवाही- कलेक्टर

राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, नक्शा-बटांकन और राजस्व प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर अजीत वसंत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने शहर में मुख्य मार्गों और सड़कों के किनारे दुकानदारों द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम को निर्देशित किया कि ऐसे दुकानदारों और व्यापारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम बनाकर सामान जब्ती एवं स्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने को कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण से यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

राशन कार्डों का होगा पुनः सत्यापन - कलेक्टर ने श्रम विभाग और नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीबी रेखा के अंतर्गत केवल पात्र हितग्राहियों के ही राशन कार्ड बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि केवल श्रम कार्ड के आधार पर राशन कार्ड जारी न किया जाए, बल्कि हितग्राही की आर्थिक स्थिति और संसाधनों का पूर्ण सत्यापन किया जाए।

विद्यालयों में तंबाकू निषेध अभियान - जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी विद्यालयों में तंबाकू निषेध अभियान चलाया जाए और इसके अंतर्गत जागरूकता बोर्ड लगाए जाएं। सभी कार्यालय प्रमुखों को अपनी शाखाओं का औचक निरीक्षण कर कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा गया।

समाधान शिविरों में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्ता पूर्ण निराकरण
कलेक्टर ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त पेंशन, वनाधिकार, और राशन कार्ड संबंधी आवेदनों का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद पंचायतों के सीईओ को समय सीमा के भीतर प्रकरणों के निराकरण हेतु निर्देशित किया। **जाति प्रमाण पत्र और शिक्षक युक्तियुक्तकरण** - एसडीएम को निर्देशित किया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों से जुड़े आरक्षित वर्ग के बच्चों के जाति प्रमाण पत्र १५ जून से पूर्व तैयार कर लिए जाएं। वहीं, जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पारदर्शिता और नियमानुसार समय सीमा में पूर्ण करने को कहा गया। **स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा** - स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आयुष्मान और वयवंदन कार्डों की स्थिति की जानकारी ली और वयवंदन कार्डों में आधार अपडेट करने के निर्देश दिए। **राजस्व मामलों में तेजी लाने के निर्देश** - बैठक में कलेक्टर ने राजस्व से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए सभी लंबित प्रकरणों, विशेषकर नक्शा, बटवारा, सीमांकन एवं त्रुटि सुधार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने मसाहती क्षेत्रों को छोड़ अन्य क्षेत्रों में बटांकन कार्य में प्रगति लाने और पुराने मामलों के शीघ्र निराकरण पर बल दिया। **कोटवारी भूमि को शासन मद में दर्ज कराने के निर्देश** - कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि कोटवारी जमीन को शासन मद में दर्ज किया जाए और मसाहती गांवों का सर्वे कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, मनोज कुमार बंजारे सहित सभी एसडीएम और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : htteproc.cgstate.gov.in
(2nd Call)

NIT NO: 09/RMC/ZONE 08/2025 RAIPUR DATED 26.05.2025

Online bids are invited for the following works up to 12.06.2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	169200	माधवराव सप्रे वार्ड नं. 69 अंतर्गत ठेठवार समाज भवन के समीप मामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	15.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 26.05.2025 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portat NIT Details and other documents.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.

2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSONER
ZONE 08
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कोरबा के संदीप शर्मा को मलेशिया में मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान, भजन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के संदीप शर्मा ने मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित इंटरनेशनल ग्लोबल म्यूजिक प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए भजन श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि उन्होंने भारत संस्कृति यात्रा २०२५ के तहत हासिल की, जिसका आयोजन हिंदुस्तान आर्ट एंड म्यूजिक सोसाइटी द्वारा किया गया। यह संस्था भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और हाई कमीशन ऑफ इंडिया, कुआलालंपुर से मान्यता प्राप्त है। संस्था का यह ५५०वां अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम था, जिसमें भारत सहित कई देशों के सैकड़ों कलाकारों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन कुआलालंपुर स्थित शतानंद ऑडिटोरियम में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी हाई कमिश्नर ऑफ इंडिया टू मलेशिया शुभासिनी नारायण थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डी. रमणी इब्राहम और शिरडी साई बाबा सोसाइटी मलेशिया के संस्थापक एस. पी. केनन भी मंच पर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में भजन, भरतनाट्यम, सेमी क्लासिकल, कत्थक, फोक और मॉडर्न डांस सहित अनेक सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संदीप शर्मा ने अपनी भजन प्रस्तुति से निर्णायकों का दिल जीतते हुए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। संदीप वर्तमान में कमला नेहरू महाविद्यालय, कोरबा में एमएसडब्ल्यू के छात्र हैं और डॉ. कुणाल दासगुप्ता के मार्गदर्शन में संगीत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनकी इस सफलता ने कोरबा और पूरे छत्तीसगढ़ का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है।

बेदखली ईश्तहार

हम मोहर लाल मानिकपुरी आ० स्व० धन्नू राम मानिकपुरी एवं हेमलता मानिकपुरी पति मोहर लाल मानिकपुरी दोनो निवासी ग्राम लटोरी (बनिया पारा) पुलिस चौकी एवं तहसील लटोरी, थाना जयनगर, जिला सूरजपुर, छ० ग० के यह धोषित करते है कि हमारे एक मात्र पुत्र भोपेन्द्र कुमार मानिकपुरी आये दिन हमारे धर से चोरी छिपे पैसा लेकर चला जाता है तथा वर्तमान में भोपेन्द्र कुमार मानिकपुरी हमारे घर से कही चला गया है अर्थात हमारे संज्ञान में लापता है और हम से किसी प्रकार का संपर्क नहीं है।

यह भी विदित हो कि हमारा लडका भोपेन्द्र कुमार मानिकपुरी गलत रास्ते पर निकल गया है और वह धर की सामाजिक, आर्थिक स्थिति को धुमिल कर दिया है, जिससे हमारे परिवार को काफी क्षति हो रही है इसलिए हम मोहर लाल मानिकपुरी एवं हेमलता मानिकपुरी दोनो अपने पुत्र भोपेन्द्र कुमार मानिकपुरी को अपने सभी चल अचल सम्पत्ति से आजीवन के लिए बेदखल कर आम जनता के लिए इस ईश्तहार का प्रकाशन करा दे रहे कि सनद रहे और भविष्य में भोपेन्द्र कुमार मानिकपुरी से हमारा किसी प्रकार का संबंध नही रहेगा।

मोहर लाल मानिकपुरी
हेमलता मानिकपुरी

लेखापाल संविदा पद हेतु पात्र-अपात्र की सूची जारी, दावा आपत्ति 03 जून तक आमंत्रित

कोरबा अम्बिकावाणी - राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनांतर्गत जिला पंचायत संसाधन केन्द्र में जिला स्तर के स्वीकृत लेखापाल के रिक्त ०१ संविदा पद की पूर्ति हेतु जिला पंचायत कोरबा द्वारा विज्ञापन जारी कर निर्धारित शर्तो एवं मापदण्डों के अनुसार अर्हताधारी इच्छुक अभ्यर्थियों से ३० अप्रैल २०२५ तक आवेदन आमंत्रित किये गये थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राप्त आवेदनों का कम्पयूटर इंद्राज एवं प्रारंभिक जांच उपरांत अभ्यर्थियों से पात्र/अपात्र सूची में लिपिकीय त्रुटि से संबंधित जिला स्तरीय चयन समिति के परीक्षण/अनुमोदन पश्चात प्रारंभिक सूची में पात्र/अपात्र का निर्धारण करते हुये सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में दावा-आपत्ति दिनांक २७.०५.२०२५ से दिनांक ०३.०६.२०२५ सांय ०५:०० बजे तक आमंत्रित किया गया है। कार्यालयीन दिवस एवं समय में कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा (छ.ग.) के नाम पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से अथवा कार्यालय जिला पंचायत कोरबा के आवक-जावक शाखा में निर्धारित प्रारूप में दावा आपत्ति अभ्यर्थी स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि उपरांत किसी भी माध्यम से प्राप्त दावा आपत्ति आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। दावा आपत्ति हेतु आवेदन का प्रारूप तथा पात्र/अपात्र सूची का अवलोकन जिला कोरबा के वेबसाईट पर किया जा सकता है। प्रारंभिक सूची के प्रकाशन के पश्चात दावा-आपत्ति में किसी भी प्रकार के शैक्षणिक योग्याताएं एवं अनुभव प्रमाण पत्र या अन्य प्रमाण पत्र संलग्न किये जाने पर मान्य नहीं किया जायेगा। केवल त्रुटि सुधार ही मान्य किया जायेगा। तद्नुसार प्राप्त आवेदनों की प्रारंभिक जांच उपरांत पात्र/अपात्र सूची का प्रकाशन करते हुये दावा-आपत्ति ०३.०६.२०२५ सायं ०५:०० बजे तक आमंत्रित किया गया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-................./अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण समसुन निशा पत्नि स्व. इसराफील अली, उम्र- 62 वर्ष, रूकसार बानो पिता स्व. इसराफील अली, उम्र- 33 वर्ष, दोनों जाति मुसलमान सभी निवासी बरेजपारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पति/पिता इसराफील अली के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 08 मोहल्ला-बरेजपारा स्थित नजूल प्लॉट नं. 2625/4855/1 रकबा 0.02 एकड़ भूमि स्थित है। आवेदकगण के पति/पिता सह भूधारक इसराफील अली की मृत्यु दिनांक 27.02.2025 को हो गई है। अतः सह भूधारक इसराफिल अली के फौत हो जाने उपरांत उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में मृत्तक भूधारक का नाम विलोपित कराते हुये मृत्तक भूधारक के वारिसान अर्थात् आवेदकगण का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदकगण द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/05/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0............/अ-02/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरजन बाई पत्नी राम अधीन राजवाड़े जाति रजवार निवासी राजकिशोर नगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 179/81 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 06/06/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील भटगांव जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 - ब/121/2025
प.ह.नं.-18

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रभान सिंह पिता प्रेम सिंह जाति गोड़ निवासी ग्राम कोटेया प.ह.नं.18 रा.नि.मं.सलका तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के दादी स्व. फुलमेत का मृत्यु दिनांक 12-12-2012 को ग्राम कोटेया में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने दादी स्व. फुलमेत का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कोटेया को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 29/05/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

पेशी दिनांक - 29/05/2025
जारी दिनांक -14/05/2025

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदिका चंचला पटेल पति जगदीश प्रसाद पटेल जाति कुनबी निवासी नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा ग्राम वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख०न० 572/1 रकबा 0.08 हे० में से रकबा 0.04 हे० को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 13/06/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
वाड्रफनगर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदिका गीता पटेल आ० जगदीश प्रसाद पटेल जाति कुनबी निवासी नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा ग्राम वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख०नं० 1061/8 रकबा 0.028 हे० को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 13/06/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
वाड्रफनगर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक जगदीश प्रसाद पटेल आ० सीताराम पटेल जाति कुनबी निवासी नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा ग्राम वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख०नं० 571/1 रकबा 0.03 हे० भूमि को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 13/06/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
वाड्रफनगर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

अम्बिकावाणी
बैकुण्ठपुर गुरूवार 29 मई, 2025

यदि हर कार्य यह सम-ाकर किया जाये कि भगवान मेरा साथी है तो असम्भव कार्य भी सम्भव हो जायेगा।

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

कोरोना से सरकार को अधिक सतर्कता बरतनी होगी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीक नजर रखे हुए है तथा सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के उचित उपाय किए जाएं। एशिया में सिंगापुर, हांगकांग, चीन व थाईलैंड में इस दफा ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जेएन1 व उसके सब-वेरिएंट एलएफ7 व एनबी1.8 जिम्मेदार बताया जा रहा है। 2023 में इसे पहली बार देखा गया था जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वेरिएंट ऑफ इंट्रेस्ट घोषित किया था जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पाया जा चुका है। सिंगापुर में मरीजों के अस्पताल में भर्ती के मामलों में बीते हफ्ते से 30त्न ज्यादा मामले तो हांगकॉग में इक्यासी गंभीर मामले सामने आए हैं। हालांकि थाईलैंड व चीन ने मरीजों की संख्या का खुलासा नहीं किया है परंतु हाई अलर्ट जारी किया जा चुका है। बूस्टर डोज लेने की सलाह भी दी जा रही है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन ने अंदेशा जताया है कि कोविड की लहर तेजी से बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि नया वेरिएंट न तो बहुत खतरनाक है, न तेजी से फैल रहा है। मगर गंभीर बीमारियों वाले मरीज व कमजोर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत बताई जा रही है। इसके लक्षणों में खांसी, सिर दर्द, बुखार, आंखों में जलन, जुकाम, दस्त/उल्टियां, मांस-पेशियों में ऐंठन के साथ ही स्वाद या गंध न आना भी शामिल है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कोविड-19 के चपेट में आकर 2020-21 के दौरान पांच लाख से ज्यादा मौत हुई थीं। हालांकि इस आंकड़े को लेकर संदेह रहा है क्योंकि अंदेशा है, संक्रमण ने इससे कहीं ज्यादा लोगों को मौत की नींद सुलाया था। मगर जिस तेजी से इसके बढ़ने की खबरें आ रही हैं, उन्हें देखते हुए सरकार को अधिक सतर्कता बरतनी होगी। विशेषज्ञों को चेतावनी देने से ज्यादा जरूरी है, संक्रमण की चपेट में आ रहे देशों से आने वाले यात्रियों व सामान की सतर्कतापूर्वक जांच हो। उन्हें क्वोरंटाइन किया जाए। अपनी आबादी को देखते हुए हमें संक्रमण को लेकर चौकस रहना होगा। महामारी की बड़ी कीमत चुका चुके देश व देशवासियों को इस खतरे से आगाह करने में कोताही करना उचित नहीं कहा जा सकता।

देश में कोविड-19 के 257 मामलों की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक ने स्थिति को लेकर बैठक की जिसमें राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपात चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद व केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञ भी शामिल थे।

आतंकवादियों का सफाया बहुत जरूरी

गिरीश पांडे

वहीं एक कदम और आगे बढ़ते हुए उनका कहना था 'हमने भारत-पाक संघर्ष को रोकने में बहुत मदद की। मैंने दोनों देशों से कहा कि अगर आप संघर्ष रोकते हैं तो हम व्यापार करेंगे, नहीं तो कुछ नहीं।इ और फिर अचानक कहा, 'ठीक है, हम रुकते हैं, और वे रुक गए।

यह वक्तव्य था ट्रंप का जबकि यह सत्य से बिल्कुल परे था और ट्रंप द्वारा संघर्ष विराम का श्रेय लेने, व्यापार संबंधित धमकी एवं कश्मीर की मध्यस्थता से जुड़े बयान को भारतीय विदेश मंत्रालय ने पूरी तरह से खारिज कर दिया था। कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कह दिया है कि पाकिस्तान के साथ सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर और आतंकवाद के मुद्दे पर ही चर्चा होगी और न्यूक्लियर ब्लेकमेल बर्दाश्त नहीं होगा, वहीं पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए यह भी कहा है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। व्यापार और आंतकवाद एक साथ नहीं चल सकते।

ऑपरेशन सिंदूरइ के तहत जिस प्रकार भारत के डिफेंस सिस्टम के सामने चीन की मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन बेहद बौने और फेल साबित हुए, ठीक वैसी ही स्थिति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी देखने को मिली। भारत के इस अभियान के दौरान ट्रंप काफी सक्रिय दिखे और उन्होंने अपनी चौधराहट दिखाने के लिए 'मान न मान मैं तेरा मेहमानइ की तर्ज पर जहां अपनी ओर से सबसे पहले सोशल मीडिया के जरिए भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की सूचना दी,

बाद में ट्रंप ने अपने सुर बदलते हुए कहा, 'मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने ही यह किया, लेकिन मैंने जरूर पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या सुलझाने में मदद की।इ जबकि अमेरिका की छीछालेदर तो स्वयं पाकिस्तान ने उस समय कर दी थी जबट्रंप के संघर्ष विराम की घोषणा के तीन घंटे के भीतर ही पाकिस्तान ने चीन के उकसावे पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और अमेरिका को वि समुदाय के समक्ष मुंह की खानी पड़ी। यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी होगा कि पहलगाम में पाकिस्तान की इस घिनौनी हरकत के बावजूद उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिलने वाले कुल 2.3 बिलियन डॉलर कर्ज में भी अमेरिका की भूमिका अप्रत्यक्ष रूप से काफी महत्त्वपूर्ण रही है। इसका कारण यह है कि अमेरिका आईएमएफ का सबसे बड़ा शेयरधारक (स्टेकहोल्डर) है, और उसके पास आईएमएफ के निर्णयों पर प्रभाव डालने की क्षमता है, जबकि भारत ने इसका पुरजोर विरोध किया था। असल में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूरइ से जो रौद्र रूप अपनाया उसकी पाकिस्तान को कल्पना तक नहीं थी। भारतीय जल, थल और नभ, तीनों सेनाओं के रणबांकुरों ने युद्ध में जो पराक्रम दिखाया, उससे पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ। भारतीय हमले की जद में पाकिस्तान का परमाणु जखीरा भी आ गया जिस पर पाकिस्तान को नाज था और भारत को बार-बार गीदड़ भभकी देता था। इससे घबराया पाकिस्तान अमेरिका की शरण में जाकर सीजफायर करवाने के लिए गिडिगड़ाया और उसके बाद उसके सैन्य अभियान महानिदेशक ने भारत से संपर्क साधा। चीन और तुर्किए ने भी पाकिस्तान की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने में सहयोग का आासन देकर उसके प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित की, लेकिन चीन ने पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई किए जाने का खंडन किया, जबकि स्टॉकहोम इंटरनेशल पीस रिसर्च (सिपरी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने 2020-24 तक चीन के हथियारों की खरीद का 81 प्रतिशत हासिल किया है। असल में चीन को अब अपने हथियारों की गुणवत्ता और उन्हें निर्यात करने में आने वाली परेशानी का पता है। 'ऑपरेशन सिंदूरइ से चीन भी निश्चित तौर पर आतंकित होगा क्योंकि पहले ही पूर्वी लद्दाख की घटना में भी उसने भारत की सैन्य शक्ति को देख लिया था और 4 साल से अधिक समय तक चले सैन्य गतिरोध के बाद उसे पीछे हटना पड़ा था।

जहां तक तुर्किए का संबंध है, तो यह वही तुर्किए है जहां फरवरी, 2023 में आए तीव्र भूकंप के बाद जिस तरीके से भारत की ओर से 'ऑपरेशन दोस्तइ के तहत भारतीय सेना ने आपदा के 12 घंटे के भीतर राहत सामग्री के साथ अपने बचाव दल तैयार कर वहां भेजे थे। इसलिए हम इसे तुर्किए की एहसानफरामोशी की इंतिहा नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे। फिलहाल, भारत ने तुर्किए की ग्राउंड हैंडलिंग फर्म सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है। देश के विभिन्न संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुर्किए के साथ अपने अनुबंधों को समाप्त कर रहे हैं। गौरतलब है कि सेलेबी एविएशन दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और गोवा सहित नौ शहरों के हवाई अड्डों पर यात्री सुरक्षा, उड़ान संचालन, कार्गो और डाक सेवाओं के साथ-साथ वेयरहाउस सेवाओं का प्रबंधन प्रदान करती है।

फिलहाल, भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने औपचारिक रूप से 10 मई, 2025 को संघर्ष विराम पर परस्पर सहमति जता दी है। असल में यहां तक नौबत ही नहीं आती यदि पाकिस्तान में सुबुद्धि होती। 'ऑपरेशन सिंदूरइ के तहत भारत ने जब स्पष्ट कर दिया था कि उसका मकसद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना था न कि पाकिस्तान या उसकी जनता को, लेकिन पाक ने उसे अपने ऊपर हमला मान लिया। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार वे मानते हैं कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि यह युग आतंकवाद का भी नहीं है। इसलिए ऐसे आतंकवादियों का सफाया करना बहुत जरूरी है। अब देखना होगा कि वि विशेषकर संयुक्त राष्ट्र कहां तक इस पर अमल करता है। अभी भारत संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1267 के अनुपालन के लिए सुरक्षा परिषद की समिति की निगरानी टीम और अन्य भागीदार देशों के साथ बातचीत कर रहा है। इसका उद्देश्य आधिकारिक तौर पर 'द रेजिस्टेंस फ्रंटइ को आतंकी गुट के रूप में सूचीबद्ध कराना और इस गुट को पाकिस्तान से मिल रहे समर्थन से वि समुदाय को परिचित कराना है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

क्या बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार उल जमा को भी सत्ता का खून लग गया है ? मोहम्मद यूनिस सरकार से ठनी

अजय दीक्षित

दरअसल जमायत इस्लामी ने शेख हसीना को सेना के माध्यम से हटाया और देश से भागने पर मजबूर कर दिया था। उन्हें भारत में शरण लेने पड़ी थी। बंगला देश में सत्ता को लेकर खून खराबा नया नहीं है। बंगला देश के प्रथम राष्ट्रपति और देश के निमार्ता शेख मुजीब उर रहमान की भी एक कट्टर पंथी सेना अधिकारियों ने चटगांव में गोलियां मार कर हत्या कर दी थी।वे निवर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता थे।1971 में मुक्तिबाहनी के माध्यम से पूर्वी पाकिस्तान में युद्ध के बाद बंगला देश अस्तित्व में आया था।

बंगाल देश की मोहम्मद यूनिस सरकार खतरे में है क्योंकि सेना प्रमुख जनरल वकार उल जमा ने कहा है कि यूनिस सरकार अनैतिक है और इसे 2025 के अंत तक चुनाव करवाया देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार का बंगला देश के कट्टर पंथी जमायत इस्लामी ने तख्ता पलटकर मोहम्मद यूनिस को सलाहकार बनाया था।

भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा ने बंगला देश के गठन में उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी।। भारत पाकिस्तान युद्ध का भी यही कारण था। शेख मुजीब उर रहमान के बाद सत्ता में आए जनरल जिया उर रहमान की भी हत्या कर दी गई।

बांग्लादेश दो राजनीतिक दल हैं एक है आवामी लीग और दूसरी है बीएनपी उसकी मुखिया है जिया उर रहमान की बेवा खालिद जिया दोनों बारी बारी से शासन किया करती थीं मगर इस बार जमायत इस्लामी संगठन ने हसीना का तख्ता पलटकर मोहम्मद यूनिस को सलाहकार बनाया है।अभी बाला बाला नौ महीने बीते है ।सेना प्रमुख जनरल वकार उल जमा के मोहम्मद यूनिस के साथ सम्बन्धों में तल्खी आ गई है बताया जाता है कि मोहम्मद यूनिस सेना प्रमुख जनरल वकार उल जमा हो हटाना चाहते हैं क्योंकि उनकी नियुक्ति पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने की थी और खुफिया जानकारी मिल रहीं हैं कि जनरल वकार उल जमा अभी भी भारत में बैठी शेख हसीना से संपर्क में हैं।

लेकिन मोहम्मद यूनिस अभी सरकार के सलाहकार हैं वे जनता से चुनकर नहीं आए हैं और इसलिए जनरल वकार उल जमा उन पर हावी हैं। बंगला देश में पहले से ही सेना को सत्ता का खून लगा हुआ है। बंगला देश की चारों ओर से सीमा भारत से लगी है भारत के असम नागालैंड त्रिपुरा मणिपुर मेघालय और पश्चिमी बंगाल की चार हजार किलोमीटर की सीमा है।

बंगला देश में व्यापार भी भारत के लोग करते हैं। और जमायत इस्लामी संगठन भारत के खिलाफ आग उगलता है

इस कारण मोहम्मद यूनिस सरकार भी भारत के खिलाफ है।

सेना प्रमुख जनरल वकार उल जमा को भारत समर्थक माना जाता है। उन्होंने ही शेख हसीना को सुरक्षित रखने में मदद की बल्कि भागने के लिए सेना का हवाई जहाज उपलब्ध कराया। भारत भी चाहेगा कि मोहम्मद यूनिस सरकार गफलत आ जाय। कुल मिलाकर यह तय कि मोहम्मद यूनिस सरकार काम काज नहीं कर पा रही है ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि मोहम्मद यूनिस ने स्वयं कहा कि जब वे काम नहीं कर सकते तो इस्तीफा देना उचित होगा। मोहम्मद यूनिस ने त्यागपत्र की पेशकश की थी। लेकिन जमायत इस्लामी संगठन ने मना कर दिया। दूसरी ओर जीडीपी लगातार गिर रही है। बांग्लादेश का आवाम भी नौ महीने में जमायत इस्लामी संगठन की चाल समझने लगा है। बताया जाता है कि बंगला देश का कपड़ा, पटसन उद्योग को नुकसान हुआ है। भारत सरकार ने बांग्लादेश पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं क्योंकि उसे हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की चिंता है।हिंदुओं के संत और इस्कॉन मंदिर के महंत चिन्मय दास कृष्ण को भी अगस्त 2024 गिरफ्तार किया गया था लेकिन अभी तक जमानत नहीं हुई है।

भारत इससे बेहद नाराज हैं।

देश का भविष्य पानीपत का मैदान

इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत दोनों 75 वर्ष के होंगे। मेरा मानना है आरएसएस के सौ साल पूरे होने के कार्यक्रम के बाद 75 वर्ष की उम्र के हवाले भागवत रिटायर होंगे। पर 75 वर्ष की उम्र के कायदे में नरेंद्र मोदी क्या अपने किसी सहयोगी को सत्ता संभला कर रिटायर होंगे? नामुमकिन है। इसलिए पार्टी, मुख्यमंत्रियों और संगठन (अध्यक्ष मोदी के मनमाफिक ही होगा) के साथ ही संघ में नंबर दो दत्तात्रेय होसबले (उम्र 70 वर्ष) यदि संघ के प्रमुख बनें या कोई और भी बना तो वह प्रधानमंत्री के साये के नीचे ही रहेगा। इसलिए इस वर्ष के आखिर तक संघ परिवार और भाजपा के भविष्य की दिशा तय हो जानी है। सवाल है नरेंद्र मोदी को उत्तर भारत की वोट राजनीति में सबसे ज्यादा किसकी जरूरत है? घूम फिर कर वापिस योगी आदित्यनाथ का चेहरा उभरता है। ऐसी स्थिति बन गई है कि 74 वर्ष के नरेंद्र मोदी और 52 वर्ष के योगी आदित्यनाथ की जोड़ी में ही आगे हिंदू राजनीति है। मैं इसे मामूली बात नहीं मानता जो प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ की ब्रांडिंग में योगी आदित्यनाथ का अखिल भारतीय जलवा बनने दिया। सोचें, पूरे देश में पिछले छह महीनों में क्या हुआ है? घर-घर योगी आदित्यनाथ का चेहरा पहुंचा है। सो, योगी से अब कैसे पार पाया जा सकता है? योगी के चेहरे पर ही उत्तर प्रदेश का अगला चुनाव लड़ा जाना है और तीसरी बार यदि योगी की कमान में भाजपा ने चुनाव जीता तो इससे प्रदेश, देश, भाजपा-संघ की आगे क्या दिशा बनेगी, इसकी कल्पना कर सकते हैं! सो भाजपा-संघ अब वह नहीं है जो 2014 से पहले थी। चाल, चेहरे, चरित्र और बुनियाद सब बदल गई है। उसकी प्राण वायु हिंदू भावना है। इसी की बेफिक्री या अहंकार में वही होगा जो हिंदू राजनीति और हिंदुस्तान का अतीत है। मजेदार बात है जो विपक्ष में नरेंद्र मोदी की उम्र के आगे लगभग सभी चेहरे युवा हैं। उनसे चुनौती ही नहीं बननी है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की उम्र इतनी कम (54 और 53 वर्ष) है कि उनके आगे अंततः योगी आदित्यनाथ होंगे। इनके साथ अखिलेश यादव (51 वर्ष) तेजस्वी यादव (35 वर्ष), हेमंत सोरेन (49 वर्ष), आदित्य ठाकरे (34 वर्ष), अरविंद केजरीवाल (56 वर्ष) अभिषेक बनर्जी (37 वर्ष), ओवैसी (55 वर्ष), चंद्रशेखर आजाद रावण (39 वर्ष) या स्टालिन, केसीआर, चंद्रबाबू के बेटों की उम्र की कसौटी में हिंदू राजनीति का यदि भविष्य देखें तो आसान नजर आएगा लेकिन देश का भविष्य पानीपत का मैदान बनता हुआ होगा। न विचार और विचारधारा और झगड़ा सिर्फ सत्ता व धर्म की पताकाओं का। संभव ही नहीं आपसी सद्भाव तथा लोकतांत्रिक मूल्यों में आचरण वाली राजनीति हो। दिशा स्पष्ट है। भाजपा-संघ परिवार का भंडारा और सत्संग व महाकुंभ सब आज चाहे जितने भव्य दिखें, जमीन पर जिस दिन बवंडर पैदा हुए सब भरभरा कर तहस-नहस हो जाना है।

0 हरिशंकर व्यास

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1339

संकेत: बाएं से दाएं

1. अफ्रीका का यह देश एक प्रजातंत्र राज्य है जिसे 1 जुलाई 1960 को गणराज्य घोषित किया गया (2)
3. जम्मू-कशमीर में 4054 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हिंदुओं का तीर्थ स्थल (5)
7. ऐसा वाद्य जिसमें तार लगे हो, वही, वह, उस, उसी (2)
8. सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
9. मन की कल्पना, विचार, ख्याल (3)
10. पुराणानुसार एक दैत्य का नाम जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी बाल्यावस्था में मारा था, बगला नामक पक्षी (2)
11. फन, हुनर (2)
13. बुहारना, पोछना, चलता करना (3)
14. सिख संप्रदाय के आदि गुरू (3)
16. लहर, उमंग, तरंग, झूमने का भाव (3)
17. उत्पात, उपद्रव, खलबली (4)
18. इंसाफ, फैसला (2)
21. मध्यप्रदेश का एक प्रसिद्ध रेलवे जंक्शन, प्रसिद्ध अभिनेता प्रदीप कुमार की अभिनेत्री बेटी (2)
23. चप्पू (4)
24. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण यमुना नदी का एक नाम (3)

ऊपर से नीचे(2)

1. हमला करने का अवसर देखना (5)
2. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
3. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि (4)
4. रगड़ना, घिसना (3)
5. अत्यंत महीन कण, सूजी (2)
6. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना (4)
10. दूल्हा-दुल्हन को यह भी कहा जाता है (4)
12. तिरस्कारपूर्ण बात, भर्त्सना, धिक्कार (3)
13. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
15. शास्त्रीय संगीत में एक ताल (4)
16. छिछली गोल तथा छोटी थाली (3)
19. हरजत मूसा के धर्म का अनुयायी (3)
20. स्वयं, स्वतः, खुद (2)
22. किसी नगर या कस्बे में प्रवेश द्वार (2)

वर्ग पहेली 1338 का हल

उ	त	र	प्र	दे	श		वा
प		म	जा		म	द	न
न		क		द	शा		र
य	मु	ना		ल	द	ना	
न			लू		बे	टा	
सं	ता	न		सा	ग		ब
स्का		म	र	ह	म		हु
र	ह	न		स		भा	त

एकदा

जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर

धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए। मगर संभावित जोखिम के प्रति आगाह करना सरकारों, खास कर स्वायत्त प्रशासनिक एजेंसियों का कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व दोनों ही है।

प्रयागराज में गंगा जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर है। इसमें मुख्य मुद्दा पर्यावरण की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने वाली भारत की सर्व-प्रमुख एजेंसी की केंद्रीय और उत्तर प्रदेश इकाई के बीच मतभेद का है।

प्रश्न है कि ये एजेंसियां सभी स्तरों पर स्वायत्त ढंग से काम करती हैं, या ये सत्ताधारी दलों के सियासी एजेंडे से प्रभावित भी हो जाती हैं? स्वागतयोग्य है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने इसे गंभीरता से लिया है और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) से जवाब तलब किया है। पूछा है कि क्या यूपीपीसीबी की गंगा जल की स्वच्छता संबंधी रिपोर्ट केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के निष्कर्षों के विपरीत थी। सीपीसीबी लगातार पांच दिन के नमूनों की जांच के बाद इस नतीजे पर पहुंचा कि संगम का पानी पीने और नहाने योग्य नहीं है। फिर भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि ये पानी नहाने और आचमन दोनों के योग्य है। इसके पक्ष में उन्होंने यूपीपीसीबी की रिपोर्ट का हवाला दिया। अब एनजीटी ने सीपीसीबी की रिपोर्ट की रोशनी में यूपीपीसीबी से जल की गुणवत्ता के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

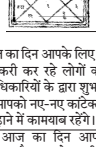

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में उच्च अधिकारियों के द्वारा शुभ समाचार मिलेगा। मित्रों की सहायता से आपको नए-नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है। आपके मित्र आपसे मिलने आएगा, जिनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद आएगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। रिश्तेदार आपसे आर्थिक मदद मांग सकते है आप उसे निराश नहीं करेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल-मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा करायेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बढि ?ा रहने वाला है। आप किसी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर ले सकते हैं। आपको उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। अगर मन में कोई बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें,

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा। आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर दिखायी देंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं,

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं तो आपके के लिए लाभ के योग हैं आप अपने काम में परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य रिश्ते में मधुरता लेन के लिए आप कुछ नया करेंगे। इस दौरान आप नेगेटिव विचारों से बचें।

कुंभ राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा। समाज में आपके काम को सराहा जायेगा। शाम का समय आप अपने परिवार के साथ बिताएंगे, परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा। वैवाहिक जीवन में स्थिति अच्छी रहने वाली है। लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा।

बहुत कुछ कहते हैं आपके फेसबुक स्टेटस

आपकी फेसबुक पोस्ट आपके जीवन का आईना है। आप कितना भी बचाओ, आपके स्टेटस आपके व्यक्तित्व और जीवन की चुगली कर ही देते हैं। शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक अध्ययन में बताया कि आपके फेसबुक अपडेट्स आपके बारे में बहुत कुछ कहते हैं। इस शोध के तहत 555 युवाओं का ऑनलाइन सर्वे किया गया। इसमें वे शामिल थे जो फेसबुक के नियमित यूजर्स हैं। उनकी फेसबुक अपडेट्स का अध्ययन किया और उनके व्यक्तित्व को परिभाषित किया।

बहिर्मुखी व्यक्तित्व

जो लोग लगातार हर सामाजिक घटना या अजीबो-गरीब व्यक्तियों पर पोस्ट्स डालते रहते हैं वो मूलत- बर्हिमुखी लोग होते हैं।

ओपन इंडिविजुएल्स

ये ऐसे लोग हैं जो अपनी व्यक्तिगत सूचनाएं लोगों से बांटने में ज्यादा रूचि नहीं रखते हैं। हां ऐसे लोग प्रारंभिक तौर पर अपने अपडेट्स में घटनाओं, शोध और राजनीतिक विचार पोस्ट करते हैं।

आत्ममुग्ध व्यक्तित्व

ये ऐसे लोग हैं जो खुद को बेहद प्यार करते हैं। ये अक्सर अपने स्टेटस में अपने डेली रूटीन, डाइट और एक्सरसाइज के बारे में जानकारी देते हैं। वे अक्सर ऐसी जगहों और घटनाओं के बारे में जानकारी देते है, जिनसे उनका व्यक्तिगत महत्व सिद्ध हो।

अल्प आत्मविश्वासी

यदि आप या आपका कोई दोस्त लगातार अपने रोमांटिक पार्टनर के बारे में स्टेटस अपडेट कर रहा है तो समझ लीजिए कि आत्मविश्वास की कमी है।

जिम्मेदार प्राणी

शोधकर्ताओं ने बताया कि जो लोग अपने परिवार और अपने दोस्तों के बारे में ज्यादा पोस्ट करते हैं, वे मूलत- जिम्मेदार किस्म के लोग होते हैं। कुल मिलाकर इस शोध का निष्कर्ष ये रहा है कि फेसबुक पर जो लोग अपने रिश्तों से संबंधित जानकारी पोस्ट करते रहते हैं, वे मूलत- असुरक्षित मानसिकता के लोग हुआ करते हैं। वे ऐसा समझते हैं कि ऐसा करके वे अपने रिश्ते पर दावा कर रहे हैं। अब आप अपने दोस्तों की और खुद अपनी स्टेटस अपडेट्स से उनका और खुद अपने व्यक्तित्व को जान सकते हैं।

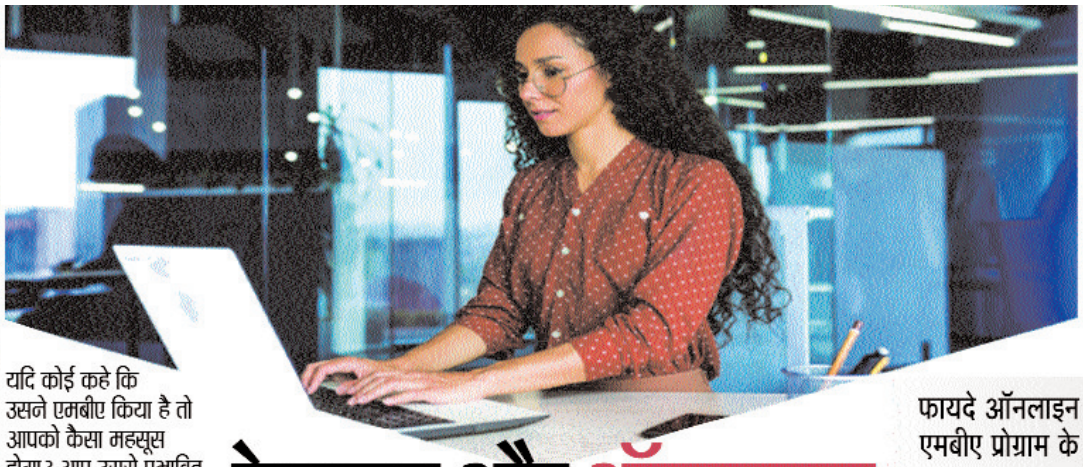

रेग्यूलर और ऑनलाइन एमबीए में क्या अंतर है

यदि कोई कहे कि उसने एमबीए किया है तो आपको कैसा महसूस होगा? आप उससे प्रभावित होंगे। लेकिन यदि कोई यह कहे कि उसने ऑनलाईन एमबीए किया है तब? तब उसका प्रभाव आप पर से पूरी तरह से उतर चुका होगा। हालांकि इससे क्या फर्क पड़ना चाहिए कि किसी ने कैसे एमबीए किया है, जब तक कि उसकी डिग्री उसकी जॉब प्रोफाइल से मैच करती हो। केवल केंडिडेट ही यह बता सकता है कि वह अपनी डिग्री से संतुष्ट है या नहीं?

जिन लोगों ने खुद को रेग्यूलर एमबीए प्रोग्राम के लिए किसी प्रतिष्ठित बी-स्कूल में एडमिशन लिया तो किसी और के लिए यह ईर्ष्या का विषय हो सकता है। लेकिन अब ये विचार पुराना पड़ चुका है। ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम भी उतना ही अच्छा है, जितना रेग्यूलर, शर्त यह है कि किसी प्रतिष्ठित बिजनेस इंस्टीट्यूट से किया जाए। इन दिनों कपनिया भी यह मानने लगी है कि ऑनलाइन एमबीए से भी अच्छे मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स आ रहे हैं जो बिजनेस को नए आयाम देने में सक्षम हैं। जो लोग फुल टाइम एमबीए कर पाने की स्थिति में नहीं है, उनके लिए ऑनलाइन एमबीए अच्छा विकल्प है। दोनों ही प्रोग्राम जरूरत, प्राथमिकता और परिस्थिति के आधार पर चुने जा सकते हैं। यदि आपके पहले से ही काम कर रहे हैं और आपके पास अपने परिवार की भी जिम्मेदारी है कुल मिलाकर समय की कमी है फिर भी आप एमबीए करना चाहते है तो आप ऑनलाइन एमबीए कर सकते हैं। दूसरी तरफ यदि आपके पास समय भी है और उम्र भी कम ही है और एक करियर फील्ड से दूसरे करियर फील्ड में जाना चाहते हैं तो रेग्यूलर एमबीए करना एक अच्छा निर्णय होगा। इसलिए कौन-सा एमबीए करना चाहिए, यह तो आपकी सुविधा पर निर्भर करता है। यह बात सही है कि ज्यादातर लोग रेग्यूलर एमबीए करना चाहते हैं। बात परिस्थितियों पर आकर अटक जाती है। इन दिनों युवाओं के बीच ऑनलाइन एमबीए दिन-ब-दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इससे पहले कि आप रुककर सोचें कि आपको ऑनलाइन एमबीए करना चाहिए या फिर रेग्यूलर, कुछ सवालों के जवाब आप अपने आप को दें।

ऑनलाइन एमबीए करने से पहले

- **करियर के लिए आपका लक्ष्य क्या है?**

यदि आप अपने करियर में ऐसा जगह आकर फंस गए हो कि आगे ग्रोथ के अवसर खत्म हो गए हैं और आप न तो नौकरी छोड़ने की स्थिति में हैं और न ही उसके साथ कोई समझौता करना चाहते हैं, आपके सामने परिवार भी है, तो इस बात की जांच पड़ताल कर लें कि आपकी वर्तमान कंपनी किस तरह के एमबीए ग्रेजुएट्स को रिक्रूट कर रही है? इस आधार पर ही फैसला लें।

- **क्या यह आपकी जरूरत और मांग को पूरा करता है?**

आपको यह जानने की जरूरत है कि ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम आपको उसी तरह की फैकल्टी, करिकुलम और अवसर उपलब्?ध करवा रहा है जैसी कि रेग्यूलर एमबीए को। यदि ऐसा नहीं है तो आपको अपने निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिए।

- **क्या यह आपके लिए सचमुच सुविधाजनक है?**

कुछ ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम या तो राज्य से बाहर होते हैं या फिर देश से ही बाहर। आपके लिए यह जरूरी हो जाता है कि क्लासेस अटेंड करने के लिए आपको छुट्टी लेनी पड़ सकती है। क्या आप इसके लिए तैयार हैं?

रेग्यूलर एमबीए करने से पहले

- **आपके करियर के लक्ष्य क्या है?**

क्या आप बदलाव चाहते हैं या फिर किसी दूसरे क्षेत्र में जाकर अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं? इसके साथ ही यदि आपके साथ समय और उम्र भी है तो आप रेग्यूलर एमबीए कर सकते हैं।

- क्या आप अच्छे पर्सेन्टाइल से एमबीए इंट्रेंस एक्जाम क्रैक कर सकते हैं?
- वो कौन से विषय हैं, जिनमें आपने अच्छे नंबर हासिल किए और कौन से विषय ऐसे हैं जो अब भी आपको डराते हैं? स्कूल व ग्रेजुएशन स्तर दोनों पर...?
- आपकी रुचि का क्षेत्र कौन-सा है ताकि आप उससे अपनी एमबीए की स्ट्रीम चुन सकें।

फायदे ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम के

घर में ही पढ़ाई

इसमें आप बिना अपनी नौकरी और जिम्मेदारी छोड़े, अपने ही घर में पढ़ाई करके वही डिग्री हासिल कर सकते हैं, जो दूसरे क्लासेस अटेंड करके प्राप्त करते हैं।

फ्लैक्सिबिलिटी

ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम में आप अपने जीवन में बिना किसी बदलाव के अपने करियर को मनचाही दिशा में ले जा सकते हैं।

रिसोर्सेज

प्रतिष्ठित ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम में भी करियर काउंसलिंग, मैंटोरशिप और नेटवर्किंग अपॉर्चयुनिटी जैसे उन्हीं सब संसाधनों का प्रयोग कर सकते हैं जो रेग्यूलर कोर्सेस में किए जा सकते हैं।

अफोर्डेबिलिटी

हर समय में ऑनलाइन एमबीए कार्यक्रम किसी भी रेग्यूलर कार्यक्रम की तुलना में हमेशा ही अफोर्डेबल हुआ करता है।

फायदे रेग्यूलर एमबीए प्रोग्राम के

करियर में बदलाव

क रेग्यूलर एमबीए आपके करियर में बदलाव के लिए बेहतर पृष्ठभूमि का निर्माण करता है। किसी खास स्ट्रीम में स्पेशलाइजेशन आपको कई दूसरी इंडस्ट्रीज में काम दिलवाने में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है।

नेटवर्किंग

रेग्यूलर एमबीए के दौरान के एकेडमिक सेशन में आप जिस तरह की सोशल नेटवर्किंग करते हैं, वह लंबे समय में आपके करियर के लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

उद्यमशीलता

यदि आप अपना बिजनेस शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं तो आप जरूरी कौशल और व्यावहारिक ज्ञान रेग्यूलर एमबीए करते हुए पा सकते हैं। इससे आपको अपना व्यापार शुरू करने में कम दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

इस तरह बना सकते हैं सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में करियर

कोई सॉफ्टवेयर तैयार होने के बाद इसकी गुणवत्ता, तकनीकी क्षमता और उसकी स्टैबिलिटी को परखने का एक महत्वपूर्ण काम होता है। इस काम को सॉफ्टवेयर टेस्टर पूरा करता है। सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में बढ़ते मार्केट की वजह से यह एक उम्दा क्षेत्र के रूप में उभर रहा है और इसमें काफी स्कोप देखा जा रहा है।

योग्यता

कम्प्यूटर एजुकेशन देने वाले देश में प्रमुख संस्थान सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स मुहैया कराते हैं। इसके अलावा, इंटरनेशनल सॉफ्टवेयर टेस्टिंग क्वालिफिकेशन बोर्ड द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त कोर्स उपलब्ध है, जो देश के साथ-साथ विदेश में नौकरी दिलाने में सहायक होता है। आमतौर पर सॉफ्टवेयर टेस्टिंग कोर्स में एडमिशन के लिए कई संस्थान बीएससी, बीसीए, एमएससी, बीई, बीटेक, एमई, एमटेक जैसी डिग्री की डिमांड करती है।

स्किल्स

सॉफ्टवेयर टेस्टर को टेक्नोलॉजी के साथ-साथ बिजनेस की भी अच्छी समझ होनी चाहिए। ऐसा होने पर ही टेस्टर बेहतर और बारीकी से अपना काम कर सकता है। टेस्टर के लिए सभी आवश्यकताओं का ठीक तरह से आकलन करना जरूरी होता है। इसके बाद टेस्टिंग की कार्ययोजना तैयार करना, उनका क्रियान्वयन करना, दोष व खतरे को तलाशना, उनकी रिपोर्ट तैयार करना टेस्टर की ही जिम्मेवारी होती है। इतना ही नहीं, एप्लिकेशन से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में आगाह करना भी टेस्टर का ही काम होता है।

ये हैं मौके

मैकिंजे ऐंड कंपनी द्वारा वर्ष 2025 तक की संभावनाओं पर जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा तेजी, टैलेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर की आपूर्ति के दम पर भारतीय आईटी इंडस्ट्री का निर्यात कारोबार 2025 तक 178 अरब डॉलर का हो जाएगा। घरेलू कारोबार की हिस्सेदारी 2025 तक 50 अरब डॉलर का हो जाएगा। भारत की कई आईटी सॉफ्टवेयर कम्पनियां नई भर्ती कर रही हैं। टीसीएस, विप्रो, सत्यम, इन्फोसिस, कॉग्निजंट आदि प्रमुख हैं, जहा एक बेहतर करियर की उम्मीद की जा सकती है।

प्रमुख संस्थान

- डाटाप्रो कंप्यूटर प्रा.लि, विशाखापत्तनम
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, कोयंबटूर
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- एसक्यूटीएल इंटीग्रेटेड सोल्यूशंस प्रा.लि, पुणे
- पीक्यूआर सॉफ्टवेयर
- त्यागराज कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुरै
- क्रेसटेक

मृतकों के परिजनों को सहायता राशि स्वीकृत

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत करने का प्रावधान किया गया है। इसके तहत ग्राम बरहोरी तहसील भरतपुर में पुष्पराज सिंह की पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर उनके पिता लालबहादुर को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार सोनू पिता बिक्कुराम निवासी ग्राम मेण्ड्रा तहसील खड़गवां की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर मृतक के पिता बिक्कूराम को, ग्राम धनौली तहसील कोटाडोल की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके पिता तेजबहादुर को, सूरज ढीमर निवासी ग्राम जमथाम तहसील भरतपुर की जहरीले सर्प के काटने से मृत्यु होने पर मृतक की पत्नी राधा वर्मा को एवं विजय कुमार साहू निवासी वार्ड क्र. 14 पंखा दफाई हल्दीबाड़ी चिरमिरी की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर मृतक के पिता शिवलखन साहू को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

सरकारी अस्पताल की बदहाल व्यवस्था, कर्मचारियों की समस्याओं और भ्रष्टाचार को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारियों ने दिया धरना

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। अपनी विभिन्न समस्याओं, आमजनों की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं विभाग में हुए कथित भ्रष्टाचार के संबंध में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एमसीबी ने बुधवार को स्थानीय तहसील कार्यालय के समीप सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन में स्वास्थ्य विभाग के सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी शामिल हुए।

धरना प्रदर्शन में शामिल स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी मांगों के संबंध में कहा कि कर्मचारियों की अवकाश स्वीकृत की समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है जहां चिकित्सक तीन से चार महीने अवकाश पर चले जाते हैं वहीं कर्मचारियों को अवकाश के लिए दर-दर भटकना पड़ता है और अवकाश स्वीकृत न कर उनका वेतन रोक दिया जाता है। अस्पताल में मुख्यतः महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति पिछले कई वर्षों से लंबित है। वहीं चिकित्सक लगातार अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित रहते हैं, जिसका खामियाजा कर्मचारियों को भुगतना पड़ता है। कर्मचारियों का समयमान वेतनमान, पदोन्नति, परिवीक्षा अवधि एरियर्स का भुगतान आदि समस्याएं भी वर्षों से लंबित है। इन सभी समस्याओं के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारी से निवेदन कर अवगत कराया गया, लेकिन समस्याएं आज भी जस की तस हैं। धरना दे रहे स्वास्थ्य कर्मचारियों ने कहा कि कार्यालय में अधिकारी पर बाबूगिरी हावी है। अधिकारी के निर्देश देने के उपरांत भी कार्यालयीन क्लर्क द्वारा उनके निर्देशों का पालन नहीं किया जाता। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं कलेक्टर को 26 बिंदुओं पर एक सप्ताह पूर्व पत्राचार किया गया था, लेकिन एक-दो मांगों के अतिरिक्त अन्य सभी बिंदु आज तक लंबित है। हाई कोर्ट छत्तीसगढ़ के निर्णय उपरांत भी जीवनदीप समिति कर्मचारियों को कलेक्टर दर पर भुगतान नहीं मिल रहा है। पूरे जिले में निछय निरामया कार्यक्रम अंतर्गत प्रोत्साहन राशि कर्मचारियों को नहीं दी गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को कार्य आधारित वेतन विगत 7 माह से नहीं मिला है। हेल्थ वेलनेस सेंटर टीम इंसेंटिव विगत एक वर्षों से अप्राप्त है। कई संस्थानों में सफाई कर्मचारी के वेतन भुगतान में प्रभारी द्वारा उनके वेतन की राशि गबन की गई है। इसके दस्तावेज उच्च अधिकारियों को दिए गए हैं, लेकिन कार्रवाई लंबित है। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने आयुष्मान प्रोत्साहन राशि, कोविड टीकाकरण प्रोत्साहन राशि का भुगतान कुछ चहेते कर्मचारियों को बिना ड्यूटी कर भारी भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी जांच की मांग विगत 3 वर्षों से की जा रही है। इसके दस्तावेज भी उच्चाधिकारियों को दिए जा चुके हैं। जनकपुर के खंड चिकित्सा अधिकारी दिसंबर 2022 से जून 2023 तक लगातार अनुपस्थित पाए गए, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके अलावे शासकीय अस्पताल मनेंद्रगढ़ में ब्लड स्टोरेज यूनिट का निर्माण कार्य 2 वर्षों से लंबित है। मरीजों को केंद्रीय चिकित्सालय व निजी ब्लड बैंक से ब्लड लाना पड़ता है। कर्मचारियों की जीपीएफ पासबुक का संधारण एवं सेवा पुस्तिका सत्यापन कार्य वर्षों से लंबित है। कई कर्मचारी लगातार अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित रहकर पूरा वेतन प्राप्त कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के एमसीबी जिलाध्यक्ष अरूण कुमार ताम्रकार ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के विधानसभा क्षेत्र व जिला मुख्यालय में आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं न मिलना कर्मचारियों की इतनी समस्याओं का निराकरण न होना व भ्रष्टाचार पर कोई कार्रवाई न होना बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है, जिसे लेकर स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा बुधवार को मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रभावित किए बिना अपनी ड्यूटी उपरांत 1 से 5 बजे तक सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर सारे मुद्दों पर निराकरण हेतु उच्च अधिकारियो से मांग की गई है। सांकेतिक धरना में कार्यकारी प्रांताध्यक्ष आरडी दीवान, जिला अध्यक्ष अरुण ताम्रकार, ब्लॉक अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ प्रवीण सिंह, आयुष प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष मुकेश सिंह गहरवार, सुबीना डेविड, अल्पना पटेल, गीता पतवार, नीरजा जेम्स, बृज बिहारी, शैलेंद्र मिश्रा, काशी प्रसाद, सोमेंद्र मंडल, खुर्शीद अहमद, प्रतिभा सालोमन, जय कृष्णा जायसवाल, सरोज गुप्ता, अंकिता सिंह, श्रीनिवास मिश्र, प्रमेंद्र सिंह, सावित्री जायसवाल, पुष्पा पटेल, प्रियंका साहू, हेमचंद्र केंवट, मनमोहन कुर्रे, सोभनाथ मिश्रा, किशोरी मिश्रा, चंद्रिका प्रसाद, मोहम्मद इरफान शाह, राहुल शर्मा सहित सैकड़ो की संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

एसईसीएल मे नौकरी नहीं मिलने से नाराज किसान करेंगे आंदोलन - प्रवीण कुमार दुबे

कोरिया पांण्डवपारा। एसईसीएल द्वारा नौकरी का वादे पर कार्रवाई नहीं होने से किसानों का सब्र अब जवाब देने लगा है ग्राम पंचायत टेमरी सोरगा खोंड़ के किसानों ने चेतावनी दी है यदि ३० मई तक समाधान नहीं हुआ तो सोरगा देवालय चौक में ३० मई को तारीख को फिर अनिश्चित कालीन हड़ताल करेंगें इन किसानों का आरोप है कि एसईसीएल पांण्डवपारा में सोरगा खोंड़ टेमरी जुड़वानी पारा की जमीन? अधिग्रहण के समय नोकरी देने का वादा पूरा करने के लिए कहाँ गया था लेकिन एक मह बित जाने के बाद भी नोकरी नहीं दिया गया पांण्डवपारा जो किसान १५ अप्रैल को दो दिवसीय शांतिपुण हड़ताल की ये थे। उस समय एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारी और क्षेत्रीय विधायक भईयलाल रजवाड़े के उपस्थिति में बैठक हुआ था जिसमें आश्वासन दिया गया था की १ महीने के भीतर जांच टीम गठित करके रिपोर्ट तैयार किया जाएगा और योग किसानों को नौकरी दिया जाएगा लेकिन एक मांह बित जाने के बाद भी न तो कोई जांच सुरू हुआ और न कोई निर्णय निकला किसान प्रतिनिधि प्रवीण कुमार दुबे ने कहा कि अभी तक हमने बहुत सयम रखा लेकिन अब सब्र की सीमा समाप्त हो गया जब तक सभी पात्र किसानों को नौकरी नहीं दी जाती तब तक हम आंदोलन करते रहेंगे किसानों ने इस संबंध में कलेक्टर और एसडीएम को लिखित सुचना दी है अब सभी किसानों का ३० मई को इंतजार में आंदोलन पर टिकी है जो क्षेत्र का बड़ा आंदोलन ले सकता है सोरगा खोंड़ टेमरी किसान बबन यादव अवधेश कुशवाहा किसान पाण्डवपारा।

महुआ पेड़ के नीचे हुआ समाधान शिविर का आयोजन

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के बारे में अधिकारियों ने दी जानकारी
शिविर स्थल पर बड़ी संख्या में हितग्राही मूलक सामाग्रियों का हुआ वितरण

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर विकासखण्ड के ग्राम बुडार में महुआ पेड़ के नीचे समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम बुड़ार सहित आमापारा, कंचनपुर, खुटरापारा, चारपारा, कुड़ेली, सरभोका, कसरा, खोडरी, डबरीपारा, अमहर एवं तरगवां के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा विशेष रूप से उपस्थित थे। श्री पैकरा ने इस दौरान ग्रामीणों से चर्चा की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। श्री पैकरा ने सुशासन तिहार के प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों के बारे अधिकारियों से की गई कार्यवाही के बारे में जानकारी प्राप्त की। श्री पैकरा ने सभी विभागों के अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा कि आवेदकों से प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण व समय सीमा के भीतर निराकरण करें। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्यवाही के बारे में ग्रामीणों के समक्ष साझा की। इसके अलावा विभाग के अधिकारियों ने शासन द्वारा चलायी जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में भी ग्रामीणों को जानकारी दी गई, साथ ही विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रचार सामाग्रियों का वितरण भी शिविर स्थल पर किया गया। इस समाधान शिविर में तीन हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड, ४ छात्रों को जाति प्रमाण पत्र, ५ बेटियों को नोनी सुरक्षा योजना प्रमाण पत्र, ६ बेटियों के पालकों को सुकन्या समृद्धि योजना के तहत पासबुक और १६ हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख एवं समाज कल्याण द्वारा दो हितग्राहियों को उपकरण जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग व आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवाई वितरण भी किया गया। हितग्राहियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सरकार को धन्यवाद भी दिए। शिविर में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी, सरपंच-पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

म.प्र. की अवैध बीयर सहित शराब जब्त, 12.4 लीटर अवैध मदिरा जब्त

कोरिया बैकुंठपुर। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मेको सलका क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई की गई है। आबकारी पुलिस ने छापेमारी कर कुल १२.४ लीटर अवैध मदिरा जब्त की है। जब्त शराब में मध्यप्रदेश राज्य की ५.२ लीटर स्प्रिंट, ३.२ लीटर बियर के अलावा ४ लीटर हाथ भट्टी की देशी शराब शामिल है।

इस कार्रवाई में कायम प्रकरण संख्या ०१ के तहत आबकारी अधिनियम की धारा ३४(२), ३६ व ५९(क) के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी नरेश पिता रामबरन २९ वर्षीय मेको सलका निवासी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है

छापेमारी का नेतृत्व विवेचक अधिकारी सपना सिन्हा ने किया, जिनके साथ मुख्य आरक्षक बबुआ राम, किसुन राम, आरक्षक नरेंद्र राजवाड़े, हेमन्त राजवाड़े, एवं महिला नगर सैनिक रुमा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।हालांकि इस कार्रवाई में कोई वाहन जब्त नहीं हुआ है, परन्तु आबकारी पुलिस इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है। जिला आबकारी अधिकारी ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि अवैध शराब के व्यापार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेंगी।

दो पैसे के चक्कर में किसी के भविष्य को बर्बाद नहीं करना है, ये सब बंद कर दें, नहीं तो हम आपको बंद कर देंगे - मंत्री वर्मा

रायपुर। तिल्दा के समाधान शिविर में पहुंचे राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने आबकारी और पुलिस को सख्त चेतावनी दे रहे थे जिसका वीडि?ा सोशल मीडिया मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि आप लोग के खिलाफ जगह-जगह बिक्री की शिकायतें आ रही है, ये सब बंद कर दें, नहीं तो हम आपको बंद कर देंगे। वर्मा ने कहा कि दो पैसे के चक्कर में किसी के भविष्य को बर्बाद नहीं करना है। अपराध को रोकना, शराब, अवैध काम को रोकना, कुली-कबाड़ी वालों पर कार्रवाई करना प्राथमिकता के काम हैं। जितने भी आवेदन मिले हैं, उसका निराकरण होना चाहिए नहीं तो सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

स. गुरुचरण सिंह छाबड़ा का निधन

रायपुर। राजनांदगांव निवासी स.गुरुचरण सिंह छाबड़ा का बुधवार 28 मई को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार राजनांदगांव मुक्तिधाम में किया गया। वे शहर जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव के अध्यक्ष स.कुलबीर सिंह छाबड़ा के पिता व पूर्व विधायक गुरुमुख सिंह होरा के जीजा एवं हरमीत सिंह होरा के फूफा जी थे।

आज से 12 जून तक चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य में 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिले मेंकृषि विभाग के द्वारा सभी विकासखण्डों में इस अभियान का संचालन किया जाना है। कृषि विभाग उप संचालक लाल सिंह आर्मो ने जानकारी देते हुए बताया है कि संचालनालय कृषि विभाग रायपुर के द्वारा राज्य के सभी जिलों के कृषि एवं संवर्गीय विभागों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में दिए गए निर्देशानुसार यह अभियान राष्ट्रीय स्तर का अभियान खरीफ मौसम की पूर्व तैयारी को सशक्त बनाने, किसानों को आधुनिक व वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने और खेतों में हो रहे नवाचारों को पहचान कर अनुसंधान की दिशा तय करने के लिए शुरू किया गया है। जिले में इस अभियान के सफल संचालन के लिए कृषि एवं संबंधित विभाग जैसे उद्यान, पशुपालन, मछली पालन के जिला एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारियों तथा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों की 3 टीम गठित की गई है। ये टीम प्रतिदिन प्रति विकासखण्ड 2 ग्राम पंचायतों में पहुंचकर किसानों के साथ कृषक पाठशाला के माध्यम से कृषकों को मृदा परीक्षण, धान की कतार बोनी एवं पैडी ट्रांसप्लांटर से धान रोपड़, ड्रोन तकनीकी का उपयोग, प्राकृतिक खेती योजना के बारे में, बीजों की नवीन किस्में, संतुलित उर्वरक उपयोग, संतुलित कीटनाशक उपयोग, पशुओं की मौसमी बिमारियों एवं उपचार, उद्यानिकी फसलों के बारे में विस्तृत रूप से परिचर्चा करेंगे साथ ही कृषि विभाग उद्यान विभाग, पशुपालन, मछली पालन विभाग की प्रमुख राज्य एवं केन्द्रीय योजना के बारे में जानकारी साझा की जायेगी। शिविर में ग्राम पंचायत एवं विकासखण्ड के प्रगतिशील कृषकों को भी उनके नवाचार के बारे में बताने हेतु आमंत्रित किया जायेगा। शिविर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के छुटे हुए हितग्राहियों का ईकेवाईसी, आधार सीडिंग एवं भूमि सीडिंग कार्य भी किया जायेगा, ताकि कृषकों को आगामी 20 वीं किस्त से लाभान्वित किया जा सके। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अभियान की गरिमामयी संपन्नता के निर्देश दिए गए है। 29 मई से 12 जून तक जिले में ब्लॉक मनेन्द्रगढ़ में 26 शिविर, खडगवां में 26 शिविर, भरतपुर में 26 शिविर तथा कुल 78 शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

विवाद पर ईंट चला किया हमला, केस दर्ज

बिश्रामपुर - पुरानी रंजिश को लेकर केनापारा तेलईकछार निवासी पीताम्बर साहू ने गांव के ही रामलाल यादव के ऊपर ईंट से हमला कर आहत कर देने मामले में रामलाल यादव की शिकायत पर जयनगर पुलिस ने पीतांबर साहू के खिलाफ केस दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। घटना २५ मई की बताई गई है।

गोपनीयता भंग की तो होगी कार्यवाही

बिश्रामपुर - कोल इंडिया प्रबंधन ने एक कड़ा व बड़ा निर्णय लिया है जिसके तहत कंपनी अब गोपनीयता भंग करने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने जा रही है। कोल इंडिया के कंपनी सचिव की ओर से इस संदर्भ का पत्र सभी इकाइयों को पत्र भेज दिया गया है। बताया जाता है कि हाल में कंपनी के गोपनीय पत्र खूब सार्वजनिक हो रहे थे। खबर है कि कोल इंडिया के ड्रेस कोड से संबंधित ड्राफ्ट रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद सीआईएल प्रबंधन ने यह कदम उठाया हैऔर अब सभी इकाइयों को पत्र भेज इसकी जानकारी दी है। कोल इंडिया प्रबंधन ने कर्मचारियों पर इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर गोपनीय सूचना समेत अन्य संवेदनशील मुद्दों से जुड़े कागज शेयर करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कंपनी सचिव बीएस दुबे ने मंगलवार को इस संदर्भ में कार्यालय आदेश जारी किया। प्रबंधन को सूचना मिली है कि कुछ कर्मचारी इंटरनेट मीडिया पर बोर्ड मीटिंग से संबंधित गोपनीय जानकारी और दस्तावेज साझा कर रहे हैं। इसे पेशेवर आचार संहिता के खिलाफ माना गया है। कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि फेसबुक, एक्स, वाट्सएप, इंस्टाग्राम व अन्य डिजिटल माध्यम पर गोपनीय जानकारी या दस्तावेज साझा न करें। उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

पीएमएसएमए के तहत 775 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, 131 उच्च जोखिम वाले मामलों की पहचान की गई

कोरिया - प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत कोरिया जिले में आयोजित विशेष शिविरों में ७७५ गर्भवती महिलाओं ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच कराई।

यह जांच विशेषज्ञ डॉक्टरों की मौजूदगी में जांच की गई। इनमें से १३१ में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान की गई और अब उन्हें विशेष रूप से चिकित्सा निगरानी में रखा जाएगा। यह अभियान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर, जिले के कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह की देखरेख में चलाया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अशरफ अंसारी ने बताया कि जिले भर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) सहित १३ नामित सुविधाओं में एक साथ शिविर आयोजित किए गए। शिविरों के दौरान गर्भवती महिलाओं को हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, रक्त और मूत्र परीक्षण और अन्य आवश्यक निदान सहित मुफ्त परीक्षण प्रदान किए गए। पीएमएसएमए का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से गर्भावस्था के चार से नौ महीने के बीच की महिलाओं को समय पर जटिलताओं की पहचान और प्रबंधन करने के लिए विशेषज्ञ की देखरेख में कम से कम एक जांच मिले। अभियान में मितानिनों और ग्रामीण स्वास्थ्य समन्वयकों का सक्रिय सहयोग रहा, जिन्होंने गर्भवती महिलाओं की पहचान करने और उन्हें स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशासन के सहयोग से दूरदराज के गांवों से भी व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हुई।

विद्यालयों का होगा युक्तियुक्तकरण, अच्छी अधोसंरचना वाले भवन में संचालित होंगे समायोजित विद्यालय

कोरिया - राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० और शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ के अंतर्गत प्रदेशभर में शालाओं के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस प्रक्रिया के तहत शिक्षक उपलब्धता, विद्यार्थियों की संख्या और विद्यालय की अधोसंरचना जैसे बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों का समायोजन किया जाएगा। विकासखंड स्तरीय समिति इस कार्य के लिए जिम्मेदार होगी, जो शालाओं का भौतिक परीक्षण कर उनकी उपयुक्तता का आकलन करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में १० से कम और शहरी क्षेत्रों में ३० से कम दर्ज संख्या वाले प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालय चिन्हित किए जाएंगे। इन विद्यालयों को निकट के बड़े और संसाधनयुक्त विद्यालयों में समायोजित किया जाएगा।

समायोजन के बाद विद्यालयों का संचालन बेहतर अधोसंरचना वाले भवनों में किया जाएगा। समायोजित विद्यालयों की समस्त शैक्षणिक सामग्री और अभिलेख उच्चतर संस्था प्रमुख के अधीन रखे जाएंगे। यदि किसी विद्यालय का ऐतिहासिक महत्व है, तो उसे बंद नहीं किया जाएगा, बल्कि अन्य विद्यालयों को उसमें समायोजित किया जाएगा। एक ही परिसर में संचालित विद्यालयों के बीच समायोजन की व्यवस्था इस प्रकार की गई है कि प्राथमिक शाला का युक्तियुक्तकरण पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल या हायर सेकेण्डरी विद्यालय से किया जाएगा। समस्त अभिलेख इन उच्च स्तर के विद्यालयों के संस्था प्रमुख द्वारा संधारित किए जाएंगे। विशेष रूप से स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय (हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम) और पीएम श्री स्कूलों को इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। युक्तियुक्तकरण से संबंधित सूचना शाला प्रबंधन समिति एवं शाला प्रबंधन एवं विकास समिति को दी जाएगी। कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर विकासखंड में ई संवर्ग के अंतर्गत १६ विद्यालयों, टी संवर्ग में बैकुण्ठपुर के २५ तथा सोनहत विकासखंड के २९ विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण प्रस्तावित है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि समायोजन उपरांत विद्यालयों की भवन संरचना का उपयोग आवश्यकता अनुसार किया जाएगा तथा समस्त प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं गुणवत्तापूर्ण निर्णय सुनिश्चित किए जाएंगे।

करदाताओं के लिए बड़ी राहत, आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ी

नई दिल्ली ,28 मई । आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न (ढ्डत्रक्र) दाखिल करने की अंतिम तिथि में बदलाव किया है। करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए, विभाग ने अब रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 से बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 कर दी है। यह निर्णय आयकर रिटर्न फॉर्म की अधिसूचना जारी करने में हुई देरी के बाद लिया गया है।

आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से इस बदलाव की जानकारी दी। पोस्ट में कहा गया है, करदाता कृपया ध्यान दें ! ष्टक्चष्ठञ्ज ने ढ्डत्रक्र दाखिल करने की निर्धारित तिथि को आगे बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 करने का फैसला किया है। पहले यह तिथि 31 जुलाई, 2025 थी।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली,28 मई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार, 27 मई को इंडियन प्रीमियर लीग का आखिरी लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया. इस जीत के साथ ही आरसीबी ने टॉप-2 में एंट्री मारी और क्वालिफायर-1 में खेलना पक्का कर लिया. कांटे के इस मुकाबले में आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इतिहास रच दिया और 2 ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया. 2008 में आईपीएल के पहले संस्करण से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट कोहली ने एलएसजी के खिलाफ मैच में टी20 क्रिकेट में आरसीबी के लिए 9000 रन पूरे किए. मैच से पहले कोहली को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल 24 रनों की जरूरत थी और उन्होंने 5वें ओवर में आरसीबी के 228 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यह उपलब्धि हासिल कर ली. बता दें कि, कोहली के नाम पहले से ही टी20 क्रिकेट में एक ही फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है. उनके रनों में अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग में आरसीबी के लिए बनाए गए रन भी शामिल हैं.लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा दिए गए 228 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की अगुआई करते हुए कोहली ने इस सीजन का 8वां अर्धशतक मात्र 27 गेंदों में जड़ा. यह कोहली का 63वां आईपीएल अर्धशतक है और अब उन्होंने डेविड वार्नर के आईपीएल में सबसे ज्यादा अर्धशतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है, वार्नर के नाम 62 आईपीएल अर्धशतक हैं. बता दें कि, विराट के नाम आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड भी है, उनके नाम कुल 8 शतक दर्ज हैं.

आरसीबी ने लखनऊ को रौंदकर टॉप 2 में मारी एंट्री

0-विराट-जितेश के तूफानी अर्धशतक पड़े पंत के शतक पर भारी

लखनऊ,28 मई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के 70वें मैच में 6 विकेट से हरा दिया है. इस जीत के साथ आरसीबी ने अंक तालिका में टॉप 2 में जगह बना ली है. बेंगलुरु ने 14 मैचों में 19 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर अपना लीग स्टेज का सफर खत्म किया है. पहले स्थान पर पंजाब किंग्स 14 मैचों में 19 अंकों के साथ रही क्योंकि पंजाब नेट रन रेट आरसीबी से बेहतर है जिसके चलते उसने पहले स्थान पर कब्जा किया है.

अब आरसीबी और पंजाब किंग्स 29 मई को क्वालीफायर 1 में एक दूसरे से भिड़ती हुई नजर आएंगी. इन दोनों टीमों को फाइनल में जगह बनाने के लिए दो-दो मौके मिलेंगे. जबकि तीसरे स्थान पर 18 अंकों के साथ मौजूद गुजरात टाइंटस और चौथे स्थान पर 16 अंकों के साथ बनी हुई मुंबई इंडियंस को 30 मई को एलिमनेटर खेलना होगा. इस मैच को हारने वाली टीम का सफर वहीं खत्म हो जाएगा और जीतने वाली टीम को क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम के साथ 1 जून को क्वालीफायर 2 खेलना होगा..

इस मैच में आरसीबी के कप्तान जितेश शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत को पहले बल्लेबाजी के लिए न्योता दिया. लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पंत के विस्फोटक शतक की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 227 रन बनाए. आरसीबी ने 18.4 ओवर में 8 बॉल बाकी रहते हुए 4 विकेट खोकर 230 रन बनाकर 6 विकेट से मैच जीत लिया. इस जीत के साथ ही आरसीबी ने पहली बार आईपीएल इतिहास में लगातार 7 मैचों में जीत दर्ज की है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए पारी की शुरूआत करने के लिए फिल साल्ट और विराट कोहली आए. साल्ट 19 बॉल में 6 छक्कों के साथ 30 रन बनाए जबकि विराट कोहली ने भी अर्धशतकीय पारी खेली. विराट ने 30 बॉल में 10 चौकों की सहायता के साथ 54 रनों की पारी खेली. रजत पाटीदार 14 और लियाम लिविंगस्टोन 0 के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए. इसके बाद जितेश शर्मा ने कप्तानी पारी खेली और विस्फोटक अंदाज में अर्धशतक ठोका और मयंक अग्रवाल के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी. जितेश ने 33 बॉल में 8 चौके और 6 छक्कों के साथ 85 रनों की नाबाद पारी खेली. इसके अलावा मयंक ने 23 बॉल 5 चौकों के साथ 41 रनों की नाबाद पारी खेली. एलएसजी के लिए विल ओरूर्के ने 2 विकेट चटकाए जबकि आवेश खान और आकाश खान ने 1-1 विकेट चटकाया.

इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मिशेल मार्श और मैथ्यू ब्रीट्जके पारी की शुरूआत करने के लिए आए. मैथ्यू 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इसके बाद क्रीज पर आए कप्तान ऋषभ पंत ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए अपने आईपीएल करियर का दूसरा शतक लगाया. पंत ने 61 बॉल में 11 चौके और 8 छक्कों के साथ 194.44 की तूफानी स्ट्राइक रेट के साथ 118 रनों की नाबाद पारी खेली.

पंत के अलावा लखनऊ के लिए मिशेल मार्श ने 37 बॉल में 4 चौके और 5 छक्कों के साथ 67 रनों की पारी खेली. निकोलस पूरन ने टीम के लिए नाबाद 13 रनों का योगदान दिया और लखनऊ को 227 तक पहुंचा दिया. आरसीबी की ओर से नुवान तुषारा, भुवनेश्वर कुमार और रोमारियो शेफर्ड ने 1-1 विकेट चटकाया.

आरसीबी ने रचा इतिहास, आईपीएल 2025 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर बनाया महारिकॉर्ड

नई दिल्ली,28 मई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के पहले क्वालीफायर के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है. कप्तान जितेश शर्मा ने 33 गेंदों में 85 रनों की धमाकेदार पारी खेली, जिससे आरसीबी ने मंगलवार को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल 2025 के आखिरी लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया. इस जीत के साथ ही आरसीबी की टीम में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, क्योंकि वह आईपीएल के इतिहास में एक सीजन में अपने सभी घर से बाहर वाले मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई.

आईपीएल 2025 के आखिरी लीग मैच में 228 रनों का पीछा करते हुए 6 विकेट की जीत रॉयल चैलेंजर्स की घर से बाहर लगातार 7वीं जीत थी. आरसीबी ने मौजूदा आईपीएल सीजन में अपने अभियान की शुरूआत उद्घाटन मैच में गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स, कोलकाता में 7 विकेट से जीत के साथ की थी.

हालांकि, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इकाना में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एक मैच गंवा दिया था, लेकिन खराब मौसम की भविष्यवाणी के कारण उस मैच को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी से स्थानांतरित कर दिया गया, इस प्रकार से इकाना को आरसीबी बनाम एसआरएच मैच के लिए एक घरेलू खेल (या बल्कि एक तटस्थ स्थल) बना दिया गया.

मंगलवार को एलएसजी पर जीत ने आरसीबी को 19 अंक दिलाए, जो लीग चरण के बाद स्टैंडिंग में पीबीकेएस के बराबर दूसरे स्थान पर रहा. उन्होंने घर के बाहर सभी 7 लीग मुकाबलों में जीत हासिल करने के बाद केकेआर और एमआई के 8 में से 7 मुकाबलों में जीत के संयुक्त सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को बेहतर बनाया. एमआई और केकेआर दोनों ने 2012 में यह उपलब्धि हासिल की थी. उसी सीजन में, दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) ने भी अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने कोटला में 8 में से 6 लीग मैच जीते थे.

छोटी खबरें

फ्लिप मारकर जश्न मनाने वाले ऋषभ पंत को मिली सजा, बीसीसीआई ने लगाया भारी जुर्माना

लखनऊ,28 मई। लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार, 27 मई को इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार के साथ इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में अपना अभियान समाप्त किया. वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार जीत दर्ज कर गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ क्वालीफायर 1 का मुकाबला तय किया.

एलएसजी ने कप्तान ऋषभ पंत के नाबाद शतक की बदौलत (227/3) रन का स्कोर बनाया. हालांकि, आरसीबी ने जितेश शर्मा और विराट कोहली के अर्धशतकों की बदौलत 9 गेंद शेष रहते विशाल लक्ष्य हासिल करते हुए 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की.

इकाना स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के आखिरी लीग मैच में रनों का अंबार लगा. इस मुकाबले में मिशेल मार्श ने 37 गेंदों पर 67 रन बनाए, जबकि ऋषभ पंत ने नाबाद 118 रनों की पारी खेली. दोनों ने टीम को विशाल स्कोर बनाने में मदद की, लेकिन आरसीबी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए करारा जवाब दिया.

वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स को हार के साथ-साथ एक और बड़ा झटका लगा. एलएसजी की टीम ने आरसीबी के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखा. यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत टीम का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए कप्तान पंत की अगुवाई वाली टीम पर बीसीसीआई ने भारी भरकम जुमार्ना लगा दिया.

आईपीएल ने बुधवार को एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों के लिए उनकी टीम का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है.

इसमें आगे कहा गया है कि, इम्पैक्ट प्लेयर सहित बाकी प्लेइंग इलेवन पर या तो 12 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुमार्ना लगाया गया है.

बता दें कि, इस मुकाबले में आरसीबी की जीत के साथ ही आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की सभी 4 टीमें फाइनल हो गई हैं. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु क्वालीफायर 1 में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी जबकि गुजरात टाइटन्स एलिमिनेटर 1 में मुंबई इंडियंस से मुकाबला करेगी. ये दोनों मैच मुल्लांपुर में खेले जाएंगे.

किसानों को आधुनिक ड्रोन के माध्यम से लिक्विड उर्वरक के छिड़काव की दे जानकारी- कलेक्टर

जशपुरनगर, 28 मई (ए)। कलेक्टर रोहित व्यास ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मछली पालन विभाग और पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक लेकर किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर जिले में फल-फूल की खेती के लिए भूमि बहुत ही उपजाऊ है, किसानों को इसका लाभ पहुंचाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता देने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार और अन्य विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्री व्यास ने कृषि विभाग के अधिकारियों को धान के बदले अन्य फसल मूंगफली, दलहन तिलहन, अदरक, हल्दी, मूंग, उड़द सहित अन्य खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की उपज बढ़ाने के लिए उनके खेतों की मिट्टी प्रशिक्षण करके मृदा कार्ड देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देकर बताए कि मिट्टी के अनुसार कौन सी फसल लगाने से ज्यादा ऊपज मिलेगी और कितना खाद व पानी की मात्रा की आवश्यकता पड़ेगी।

------------------------ व्यापार/फिल्म ------------------------

मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार

मुंबई ,28 मई । मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को घरेलू बेंचमार्क सूचकांक मामूली गिरावट के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में एफएमसीजी और ऑटो सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह करीब 9.26 बजे, सेंसेक्स 92.61 अंक या 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,459.02 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 16.75 अंक या 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,809.45 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 78.15 अंक या 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 55,430.95 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 171.55 अंक या 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,326.05 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 114.25 अंक या 0.64 प्रतिशत चढ़कर 17,839.40 पर था। विश्लेषकों के अनुसार, कल निफ्टी अस्थिर कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। तकनीकी रूप से, 24,462 एक महत्वपूर्ण स्विंग लो बना हुआ है। अगर यह बना रहता है तो बाजार पहले 25,116 और फिर 25,390 पर प्रतिरोध को लक्षित करेगा। एक्सिस सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अक्षय चिंचलकर ने कहा, दूसरी ओर, अगर 24,462 स्तर टूटता है, तो एक 'राइजिंग वेजइ पैटर्न एक्टिव हो जाएगा, जिसमें 23,900-24,000 क्षेत्र के पास डाउनसाइड लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा। इस बीच, सेंसेक्स पैक में आईटीसी, टाइटन, नेस्ले इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, एमएंडएम और सन फार्मा टॉप लूजर्स थे। जबकि, इंफोसिस, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस और एनटीपीसी टॉप गेनर्स थे । एशियाई बाजारों में, बैंकॉक, सोल, चीन, जकार्ता और जापान हरे रंग में कारोबार कर रहे थे। केवल हांगकांग लाल रंग में कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका में डाउ जोंस 740.58 अंक या 1.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 42,343.65 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 118.72 अंक या 2.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,921.54 पर और नैस्डैक 461.96 अंक या 2.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,199.16 पर बंद हुआ।

विशेषज्ञों ने कहा कि मंगलवार को वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख रहा। घरेलू गिरावट के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध खरीदार बने रहे, जो भारतीय बाजार में बढ़ते भरोसे को दशार्ता है। संस्थागत मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध खरीदार रहे और उन्होंने 27 मई को 348.45 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 10,104.66 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

बारबेक्यू नेशन का घाटा चौथी तिमाही में बढ़ा, आय में भी कमी

मुंबई । बारबेक्यू नेशन ने गुरुवार को चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए। जनवरी-मार्च अवधि में कंपनी का घाटा बढ़कर 20.61 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में 3.7 लाख रुपए था।

इससे पहले दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 5.05 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था।

कंपनी की ऑपरेशंस से आय चौथी तिमाही में 292.7 करोड़ रुपए रही है, जो कि तीसरी तिमाही में 328.89 करोड़ रुपए थी। इसमें तिमाही आधार पर 11.01 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

सालाना आधार पर कंपनी की ऑपरेशंस से आय करीब 2 प्रतिशत कम हुई है, जो कि वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में 299 करोड़ रुपए थी।

कंपनी के प्रबंधन ने आय में गिरावट के लिए मुख्य रूप से भारत के कारोबार में कमजोरी को जिम्मेदार ठहराया।

मार्च तिमाही में कुल आय 296.1 करोड़ रुपए रही, जो पिछली तिमाही के 334.4 करोड़ रुपए से 11.45 प्रतिशत कम है। कमजोर आय के बावजूद कंपनी का ईबीआईटीडीए 54 करोड़ रुपए पर स्थिर रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के 55 करोड़ रुपए से मामूली कम है।

भारत को मिलिट्री हार्डवेयर और स्पेस टेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ाने की जरूरत : रिपोर्ट

नई दिल्ली । बदले वैश्विक परिदृश्य में भारत को मिलिट्री हार्डवेयर, स्पेस टेक्नोलॉजी, ड्रोन, एयर डिफेंस सिस्टम, विमान वाहक, स्मार्ट ग्रिड और पावर इंफ्रास्ट्रक्कर में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

'मेक इन इंडियाइ पहल के रणनीतिक महत्व को उजागर करते हुए ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के एडवांस एयर वॉरफेयर, मिसाइल सिस्टम और ड्रोन टेक्नोलॉजी को प्रदर्शित किया। पीएल कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, जैसे-जैसे वैश्विक शक्तियां दक्षिण पूर्व एशिया में अपने पदचिह्न का विस्तार कर रही हैं, वैसे-वैसे भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बढ? के आसार हैं।

इसके अलावा, सिंधु जल संधि के सस्पेंशन से इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी), पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) और हाइड्रोइलेक्ट्रिक इक्विपमेंट में नए अवसर खुलने की संभावना है। पीएल कैपिटल का मानना है कि भू-राजनीतिक जटिलताएं बढ़ रही हैं और निकट भविष्य में इनके और बढ? की संभावना है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में वैश्विक शक्तियों की बढ़ती भागीदारी से अलग-अलग मोर्चों पर तनाव बढ?, संभावित रूप से मौजूदा गठबंधनों को नया रूप देने और आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा देने की संभावना है। इसके अलावा, संघर्ष, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता के जोखिम बढ़ सकते हैं।

भारत के लिए एक वैश्विक सैन्य शक्ति के रूप में उभरने को लेकर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हालिया घटनाक्रम बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है। 'इंडिया स्ट्रैटजी रिपोर्टइ में बताया गया है कि यह भारत के लिए बदलती भू-राजनीतिक गतिशीलता को लेकर अपनी तकनीकी उन्नति और आर्थिक विकास को तेज करने की तत्काल जरूरत को भी दिखाता है।

इसके अलावा, भारतीय बाजार, जो हाल के महीनों में एफआईआई की बिक्री के कारण दबाव में थे, ने पिछले छह हफ्तों में निफ्टी पर 10 प्रतिशत रिटर्न देते हुए तेज रिकवरी की है। वित्त वर्ष 2025 के चौथी तिमाही के नतीजे अब तक उम्मीदों से बेहतर रहे हैं। साथ ही, शहरी खपत में सुधार के शुरूआती संकेत उभर रहे हैं, जिसमें आने वाली तिमाहियों में धीमा लेकिन निरंतर सुधार रहेगा। वित्त वर्ष 2025 में कृषि उत्पादन में खरीफ फसलों में 6.8 प्रतिशत और रबी फसलों में लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, मई में जलाशय का स्तर पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य मानसून से जल स्तर ऊंचा रहने की उम्मीद है, जिसका अगली रबी फसल पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दो उप सचिवों का प्रभार 16 दिन में पुनः बदला

रायपुर। राज्य शासन ने मंत्रालय सेवा के दो उप सचिवों के 16 दिन के भीतर पुनः विभागीय प्रभार बदला है। साप्रवि से अभी अभी जारी आदेश में रविन्द्र मेढ़ेकर को वर्तमान प्रभार के साथ जल संसाधन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। 13 मई को ही मेढेकर को जल संसाधन से हटाकर कौशल विकास भेजा गया था। उनकी जगह जल संसाधन भेजे गए राजीव अहिरे को अब गृह विभाग पदस्थ किया गया है।

न्यूज गैलरी

सुशासन तिहार के दौरे पर मुख्यमंत्री अचानक पहुंचे मांदरी गांव के आँगनबाड़ी केंद्र

00 बच्चों से आत्मीयता से मिले, आंगनबाड़ी की व्यवस्थाओं का लिया जायजा
00 बच्चों ने मुख्यमंत्री को भेंट किया फूलों का गुलदस्ता, सुनाई कविता, बच्चों को उपहार में मिली चाकलेट

रायपुर। सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय हेलीकॉप्टर से आज अचानक कांकेर जिले के मांदरी गांव पहुंचे। हेलीपेड से गांव के रास्ते पर आँगनबाड़ी भवन देखकर मुख्यमंत्री केंद्र के बच्चों से मिलने और वहां की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे। आँगनबाड़ी केंद्र में बच्चों ने मुख्यमंत्री का स्थानीय फूलों से तैयार किया गया गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बड़ी आत्मीयता के साथ बच्चों से घुल-मिल कर बातचीत की और उनसे आंगनबाड़ी और उनके अक्षर ज्ञान की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के पूछने पर बच्चों ने धारा-प्रवाह कविता सुनाई। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से बच्चों को चाकलेट वितरित कर उन्हें दुलार किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से आँगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं और भोजन व्यवस्था की जानकारी भी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसव राजु एस, कमिश्नर श्री डोमन सिंह, कलेक्टर श्री निलेश क्षीरसागर, पुलिस अधीक्षक श्री आई के एलेसेला, सहित क्षेत्र के जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

वीर सावरकर का जीवन राष्ट्रभक्ति, आत्मबलिदान और वैचारिक दृढ़ता का प्रतीक है - साय

00 मुख्यमंत्री ने वीर सावरकर की जयंती पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री धरमलाल कौशिक एवं जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर सावरकर का संपूर्ण जीवन मातृभूमि की सेवा और राष्ट्र के नवनिर्माण के लिए समर्पित था। वीर सावरकर न केवल आजादी की लड़ाई के अग्रणी योद्धा थे, बल्कि वे एक समाज सुधारक, इतिहासकार, लेखक और दूरदर्शी राजनेता भी थे। उन्होंने सामाजिक रूढि ?ों के विरुद्ध आवाज उठाई और आधुनिक भारत के निर्माण की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेल्युलर जेल में बिताए गए सावरकर जी के कठोरतम वर्ष उनके अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और मानसिक दृढ़ता के प्रमाण हैं। उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे वीर सावरकर के विचारों और जीवन मूल्यों से प्रेरणा लें और राष्ट्र सेवा को अपना परम कर्तव्य मानते हुए आगे बढ़ें। वीर सावरकर का जीवन हर भारतीय के लिए आत्मबलिदान, समर्पण और देशभक्ति की जीवंत मिसाल है।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों, चुप्पियों और पर्यावरणीय चुनौतियों पर विचार करने का अवसर - साव

00 सुरक्षित सेनेटरी अपशिष्ट प्रबंधन एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर आयोजित कार्यशाला में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री
00 विशेषज्ञों ने नगरीय निकायों के मास्टर ट्रेनर स्वच्छता दीदियों को सुरक्षित सेनेटरी अपशिष्ट प्रबंधन एवं मासिक धर्म स्वच्छता की दी जानकारी

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव आज ₹शक्ति संवाद - स्वच्छता से सशक्तीकरण की ओर₹ विषय पर आयोजित कार्यशाला में शामिल हुए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञों ने नगरीय निकायों के मास्टर ट्रेनर स्वच्छता दीदियों को सुरक्षित सेनेटरी अपशिष्ट प्रबंधन एवं मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एमिटी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर श्री पीयूष कांत भी कार्यशाला में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर स्वच्छता दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को मास्टर ट्रेनर के रूप में यहां मिली जानकारी को राज्य के 10 हजार स्वच्छता दीदियों के साथ ही लाखों बहन-बेटियों तक पहुँचाना है, ताकि मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर जो झिझक बहनों में है, उसे दूर किया जा सके। उन्होंने सेनेटरी नेपकिन के उपयोग के बाद उसके सही निपटान की प्रक्रिया को भी ध्यान में रखने को कहा। श्री साव ने कहा कि 28 मई को पूरी दुनिया में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह न केवल महिलाओं के माहवारी स्वच्छता के अधिकार को उजागर करता है, बल्कि इस विषय से जुड़ी भ्रांतियों, चुप्पियों और पर्यावरणीय चुनौतियों पर विचार करने का अवसर भी प्रदान करता है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि मासिक धर्म स्वच्छता दिवस का उद्देश्य मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा महिलाओं एवं लड़कियों को स्वच्छ व सुरक्षित माहौल प्रदान कर उनके अधिकारों की रक्षा करना है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत निर्मित शौचालयों में स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि ने महिलाओं और बालिकाओं के बेहतर मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं में योगदान दिया है। इस अभियान ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय ने कार्यशाला में कहा कि आज हम यहाँ एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बात कर रहे हैं। आज का दिन न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ा है, बल्कि समाज की सोच, जागरूकता और संवेदनशीलता से भी जुड़ा हुआ है। हर साल 28 मई को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया जाता है, ताकि इस विषय पर खुलकर चर्चा हो और जागरूकता बढ़ाकर इससे जुड़ी भ्रांतियों, असहजता और चुप्पी को समाप्त किया जा सके। हमारे समाज में आज भी इस पर खुलकर बात नहीं की जाती।

श्री पाण्डेय ने बताया कि आज सुरक्षित सेनेटरी अपशिष्ट प्रबंधन एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर विभाग द्वारा प्रथम कार्यशाला आयोजित की गई है। आगे सभी नगरीय निकायों में भी ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता दीदियों को उनके स्वास्थ्य के विषय में जागरूक किया जाएगा, ताकि वे सुरक्षित वातावरण में कार्य करते हुए प्रदेश की 10 हजार स्वच्छता दीदियों को मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें प्रशिक्षित कर सके।

एम्स के पूर्व निर्देशक पद्मश्री से सम्मानित डॉ. रणदीप गुलेरिया ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यशाला में मौजूद स्वच्छता दीदियों को माहवारी स्वच्छता के बारे में जानकारी दी। एमिटी यूनिवर्सिटी की डॉ. आकांक्षा सिंह ने मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से स्वच्छता दीदियों को सेनेटरी पैड के निपटान और मासिक धर्म के दौरान जरूरी सावधानियों से अवगत कराया। यूनिसेफ के वॉश विशेषज्ञ श्री आशीष कुमार ने निजी स्वच्छता पर प्रस्तुतिकरण दिया।

कार्यशाला में राज्य के एसएलआरएम सेंटर में कार्यरत स्वच्छता दीदियों को घरेलू हानिकारक अपशिष्टों के व्यवस्थित निपटान एवं एसएलआरएम सेंटर के जोखिम रहित संचालन के लिए प्रस्तुतिकरण दिया गया। डॉ. सबापथी एस. ने मासिक धर्म स्वच्छता संबंधित स्टार्ट-अप, 'समर्थन' संस्था की श्रीमती ऋतु वर्मा और श्री देवीदास ने मासिक धर्म स्वच्छता एवं निजी स्वच्छता पर प्रस्तुतीकरण दिया। सूडा के अतिरिक्त कार्यपालन अधिकारी श्री दुष्यंत कुमार रायस्त सहित नगरीय प्रशासन विभाग एवं सूडा के अधिकारी भी कार्यशाला में मौजूद थे।

1 से 7 जून तक मनाया जायेगा चावल उत्सव, राशनकार्डधारी परिवारों को एकमुश्त मिलेगा तीन माह का चावल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी 01 से 07 जून 2025 तक चावल उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस उत्सव के दौरान प्रदेश के 81 लाख से अधिक राशनकार्डधारी परिवारों को जून, जुलाई एवं अगस्तकृतीनों माह का चावल एकमुश्त वितरित किया जाएगा। राज्य शासन ने इस उद्देश्य से प्रदेश की 13,928 उचित मूल्य दुकानों को चावल का आबंटन जारी कर दिया है। सभी दुकानों में चावल का भण्डारण कार्य तेजी से जारी है ताकि वितरण में किसी प्रकार की बाधा न आए। इस पहल से दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों तक समय पर खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

राज्य खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 1 जून से 7 जून तक चावल उत्सव के दौरान सभी उचित मूल्य दुकानों से चावल का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर दुकानों में वितरण संबंधित जानकारी का प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि चावल वितरण की सूचना स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रचार माध्यमों से व्यापक रूप से प्रसारित की जाए, जिससे प्रत्येक लाभार्थी तक यह जानकारी सुगमता से पहुंचे और वितरण पारदर्शी रहे।

खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज चावल उत्सव की तैयारी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों, खाद्य अधिकारियों एवं नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि प्रत्येक उचित मूल्य दुकान में समय से पूर्व चावल का समुचित भण्डारण सुनिश्चित किया जाए। चावल का वितरण दुकान स्तर की निगरानी समिति की उपस्थिति में हो, और प्रत्येक लाभार्थी को ई-पॉस मशीन द्वारा बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण के पश्चात ही चावल प्राप्त हो। साथ ही लाभार्थियों को वितरित चावल की पावती रसीद अनिवार्य रूप से दी जाए।

खाद्य सचिव श्रीमती कंगाले ने कहा कि इस समग्र प्रक्रिया का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और लाभार्थी की सुविधा को सुनिश्चित करना है। विभाग द्वारा तकनीक का प्रभावी उपयोग भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मानसून के दौरान प्रदेश की 249 ऐसे उचित मूल्य दुकानें, जो वर्षा ऋतु में पहुंचविहीन हो जाती हैं, उनके लिए भी विशेष तैयारी की गई है। जून माह में ही इन दुकानों में अग्रिम चावल भण्डारण की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वर्षाकाल में भी राशन वितरण अविरत जारी रह सके।

बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम की प्रबंध संचालक श्रीमती किरण कौशल और खाद्य विभाग के संचालक श्री रमेश शर्मा उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त सभी जिलों के कलेक्टर, खाद्य नियंत्रक, जिला खाद्य अधिकारी तथा जिला प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति निगम भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

अब डाकघरों में बिजली, टेलीफोन बिल, मोबाइल रिचार्ज और अन्य जनसुविधाएं नहीं मिलेंगी, विभाग ने खत्म किया कांट्रेक्ट

रायपुर। अब डाकघरों में बिजली बिल, टेलीफोन बिल, मोबाइल रिचार्ज और अन्य जनसुविधाएं आज से मिलना बंद हो गया है। डाक विभाग ने इसके लिए अनुबंधित सेवा प्रदाता कंपनी से कांट्रेक्ट खत्म कर दिया है। उल्लेखनीय है कि मोदी 2.0 में तत्कालीन संचार मंत्री रविशंकर प्रसाद ने देशभर के डाक घरों में यह सुविधा उपलब्ध कराई थी। इसका उद्देश्य शहरों और दूर दराज के लोगों को दर्जन भर से अधिक भुगतान संबंधी सेवाएं नजदीकी डाक घरों में उपलब्ध कराना था। इसके लिए कामन सर्विस सेंटर के नाम से एसपीवी बना कर विभाग ने अनुबंध किया था। इन सेवाओं के बदले विभाग को कमीशन मिलता रहा। हालांकि इन 5-6 वर्षों में कोई बहुत बड़ा बिजनेस नहीं हो सका। लोग डाक घरों के बजाय मूल एजेंसी में ही जाते रहे हैं और यह एक तरह से डाक कर्मियों के लिए सेवा नहीं समस्या ही बना रहा। इसे देखते हुए संचार मंत्रालय ने सभी राज्यों के पोस्ट मास्टर जनरल को आदेश भेजकर आज से बंद करने कहा है। आदेश कहा गया है कि सी.एस.सी. एस.पी.वी. के साथ गठजोड़ में डाकघरों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवाओं को समाप्त किया जा रहा है। इसके मद्देनजर, सर्किलों से अनुरोध है कि वे वॉलेट को रिचार्ज करने और वॉलेट में मौजूद राशि को खत्म करने का प्रयास न करने के लिए फील्ड इकाइयों को आवश्यक निर्देश जारी करें। इसके अलावा, पी.ओ. सी.एस.सी. द्वारा किसी भी प्रकार के मैनुअल लेनदेन का प्रयास नहीं किया जाए।

मुख्यमंत्री की चौपाल : कांकेर जिले के मांदरी गांव में उतरा मुख्यमंत्री का उडनखटोला

00 ग्रामीणों से आत्मीयता के साथ किया संवाद, हितग्राहियों से की चर्चा
00 मुख्यमंत्री साय ने 3.90 करोड़ की घोषणा

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतिम चरण के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हेलीकॉप्टर कांकेर (उत्तर बस्तर) जिले के ग्राम मांदरी में उतरा। उन्होंने पंचायत शेड के नीचे अपनी चौपाल लगाई और ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं पर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ग्रामीणों की मांग पर मांदरी में हाई स्कूल बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 20 लाख की स्वीकृति, मांदरी आंगनबाड़ी केंद्र भवन में बाउंड्रीवाल के लिए 5 लाख की स्वीकृति, साल्हेभांट मुख्य मार्ग से टीरउ सलाम के घर तक सीसी सड़क निर्माण 600 मीटर हेतु 15 लाख की स्वीकृति, झुरा नाला से खेतों में सिंचाई के लिए लाइन विस्तार हेतु 3.50 करोड़ की स्वीकृति की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि हमने बीते डेढ़ वर्षों में जनता के हित में कार्य किया है। सुशासन तिहार हमारा रिपोर्ट कार्ड भी है और सरकार द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन करने का अवसर भी। इसके माध्यम से हम जनकल्याणकारी योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की स्थिति जान रहे हैं। हमारे अलावा मंत्री, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी सुशासन तिहार में शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने शपथ लेते ही प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के तहत कैबिनेट में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जरूरतमंदों को आवास मिलेगा, आवास प्लस में जिनका नाम है, उन्हें भी आवास दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 70 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना की राशि सीधे उनके खातों में देकर आर्थिक समृद्धि और महिला सशक्तिकरण का द्वार खोला गया है। जो लाभार्थी अभी वंचित हैं, उन्हें भी जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 24 अप्रैल से ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र शुरू किए गए हैं। इससे ग्रामीणों को गांव में ही बैंकिंग व अन्य सेवाओं की सुविधा मिलेगी। अभी यह सेवा 1460 पंचायतों में शुरू की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार तकनीक के उपयोग से भ्रष्टाचार के सभी रास्ते बंद कर रही है। पंजीयन की नई प्रक्रिया से रजिस्ट्री के साथ नामांतरण की प्रक्रिया को सरल किया गया है।

जानी योजनाओं की हकीकत

ग्राम मांदरी में अचानक पहुंचे मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से छत्तीसगढ़ी में संवाद किया। मुख्यमंत्री ने बिजली व्यवस्था, राशन वितरण और महतारी वंदन योजना की राशि के संबंध में हितग्राहियों से जानकारी ली। इस अवसर पर हितग्राही इतवारिन आचला ने बताया कि महतारी वंदन योजना की प्राप्त राशि का बेटी के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाकर राशि जमा कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है, और जनकल्याण ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस अवसर पर विधायक कांकेर श्री आशा राम नेताम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नूरेटी, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ बसव राजु एस., कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, डीआईजी श्री अमित कामले, कलेक्टर श्री नीलेश क्षीरसागर, पुलिस अधीक्षक श्री इंद्र कल्याण एलेसेला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में युवाओं प्रतियोगिता परीक्षा के तैयारी हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयार की पुस्तक ₹नई दिशा₹ का विमोचन कर युवाओं को वितरित किया। साथ ही विभिन्न विभागों के जन कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री, आवास की चाबी, ट्राई साइकिल आदि वितरित की।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com